page-2 पर, बरम बाबा तीर्थस्थल के विकास को नई दिशा देंगे- अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार खुलकर बोले- ओम प्रकाश सिंह

" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन HARIDARSHAN

हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें

मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 149 वर्ष -11 अधिक ज्येष्ठ कृ.षष्ठी 2082 शनिवार (6 जून 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की बडी कार्रवाई: जिरीबाम में ४७ करोड़ की 'याबा टैबलेट' जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

जिरीबाम (मणिपुर), ५ जून:क्षेत्र में नशीले पदार्थों के नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में एक बडी सफलता हासिल करते हुए, असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ और आईआरबी के साथ मिलकर चलाए गए एक संयुक्त अभियान में ४७ करोड.मूल्य की भारी मात्रा में 'याबा टैबलेट' जब्त की हैं।सुरक्षा बलों को जिले के भीतर बडे. पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी की पुख्ता खुफिया जानकारी मिली थी। इस इनपुट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से एक विशेष तलाशी अभियान शुरू किया।०४ जून २०२६ को लिनगांगपोकपी इलाके में चेकिंग के दौरान सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध टाटा वाहन को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसके भीतर से ४,००,००० (चार लाख) याबा टैबलेट बरामद की गई, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग ?४७ करोड. है।सुरक्षा बलों ने मौके से वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान बिहार के निवासी के रूप में हुई है। प्रतिबंधित गोलियों के साथ ही तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे टाटा वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं का पता लगाया जा सके।जिरीबाम में सक्रिय असम राइफल्स, जिरीबाम पुलिस और अन्य सहयोगी एजेंसियां इस क्षेत्र में ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ लगातार फ्रंटफुट पर काम कर रही हैं। सुरक्षा बलों का मानना है कि इतनी बडी खेप की जब्ती पूर्वोत्तर में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय नार्कोटिक्स नेटवर्क की कमर तोड़ने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

असम मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, १२ विधायकों को ने ली मंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी, ०५ जून, (हि.स.)। लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए असम मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार में १२ एनडीए विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस विस्तार के साथ १९ सदस्यीय प्रस्तावित मंत्रिमंडल में अब तक १७ पदों को भर दिया गया है।नवनियुक्त मंत्रियों में ११ विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं, जबकि एक विधायक सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) से हैं। ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सभी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।शपथ लेने वाले मंत्रियों में डॉ. रणोज पेगू, अश्विनी राय सरकार, विश्वजीत दैमारी, पीयूष हजारिका, अशोक सिंघल, कृष्णेंदु पाल, नीलिमा देवी, जयंत मल्ल बरुवा, कौशिक राय, बिमल बोरा, सुशांत बरगोहाई और केशव महंत शामिल हैं। इनमें केशव महंत एकमात्र अगप विधायक हैं, जबकि शेष सभी भाजपा से संबंधित हैं।उल्लेखनीय है कि शपथ लेने वाले मंत्रियों में चार को पहली बार मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। वहीं, सहयोगी दल असम गण परिषद से अब मंत्रिमंडल में दो प्रतिनिधि अतुल बोरा और केशव महंत शामिल हैं। इसी प्रकार, एनडीए के एक अन्य सहयोगी दल बीपीएफ का प्रतिनिधित्व चरण बोरो कर रहे हैं।

टीम हिमंत विश्वशर्मा असम का संदेश: 'हमें पूरा विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा जी के गतिशील, ऊर्जावान नेतृत्व और आप सभी नवनियुक्त मंत्रियों के संयुक्त प्रयासों से एक समृद्ध और प्रगतिशील 'सोनली असम' (स्वर्ण असम) के निर्माण का सपना जल्द ही धरातल पर उतरेगा।'

इस नए और सशक्त मंत्रिमंडल से राज्य की जनता को विकास की एक नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है, जो असम को उन्नति के शिखर पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगी।

आरबीआई का अनुमान, देश में बढ़ेगी महंगाई, रेपो रेट ५.२५ प्रतिशत पर रखा स्थिर, विकास दर अनुमान घटाया

नई दिल्ली. (एजें) ५ जून : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और महंगाई के बढते जोखिमों को देखते हुए रेपो रेट को ५.२५ प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है. केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया. इसके साथ ही आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक विकास दर का अनुमान ६.९ प्रतिशत से घटाकर ६.६ प्रतिशत कर दिया है, जबकि खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान बढाकर ५.१ प्रतिशत कर दिया गया है.रेपो रेट स्थिर रहने से होम लोन, वाहन ऋण और अन्य कर्जों की ब्याज दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा. इसका सीधा लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा जिनकी मासिक किस्त (ईएमआई) चल रही है. आरबीआई ने अपने मौद्रिक नीति रुख को भी न्यूट्रल बनाए रखा है, जिससे भविष्य में आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार दरों में बदलाव की गुंजाइश बनी रहेगी.

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितताएं भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुई हैं. इन्हीं कारणों से महंगाई का दबाव बढ? की आशंका है. अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति बढकर ३.४८ प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें सोना-चांदी और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का योगदान रहा.रियल एस्टेट विशेषज्ञों का मानना है कि रेपो रेट स्थिर रहने से हाउसिंग सेक्टर को राहत मिलेगी. इससे होम लोन की लागत नहीं बढेगी और खरीदारों का भरोसा बना रहेगा. हालांकि निर्माण सामग्री और श्रम लागत में बढोतरी से डेवलपर्स पर दबाव बना हुआ है.विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं, रुपये पर दबाव बढा या महंगाई नियंत्रण से बाहर हुई तो आने वाले महीनों में आरबीआई ब्याज दरों में बढोतरी पर विचार कर सकता है. फिलहाल केंद्रीय बैंक ने आर्थिक गतिविधियों और महंगाई के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीति अपनाई है.

भारतमाला परियोजना में मुआवजा घोटाले की आशंका पर बडा एक्शन, कछार के अरकाटीपुर में सैकडों अवैध निर्माण ध्वस्त

चंद्रशेखर ग्वाला शिलचर, ५ जून: कछार जिले के उधारबंद क्षेत्र के अरकाटीपुर और दयापुर इलाकों में शुक्रवार को जिला प्रशासन ने एक विशाल अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन सडक़ के लिए मिलने वाले मुआवजे की राशि हडप़ने के उद्देश्य से कृषि भूमि पर खडे.किए गए कथित अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए यह कार्रवाई की गई। सुबह से ही २० से अधिक बुलडोजरों की मदद से शुरू हुए अभियान में सैकडों अवैध मकानों, टिन शेडों और अन्य अस्थायी संरचनाओं को गिराया गया। प्रशासन के अनुसार, भारतमाला परियोजना के लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि पर रातों-रात बडी संख्या में अवैध निर्माण किए गए थे, ताकि सरकारी मुआवजे के रूप में मिलने वाली भारी रकम का लाभ उठाया जा सके। जानकारी के अनुसार, एक संगठित गिरोह ने परियोजना से जुडी भूमि पर अवैध घर, टिन की छत वाले ढांचे और नर्सरियां बनाकर सरकारी धन के दुरुपयोग की योजना तैयार की थी। इस कथित साजिश की

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

शिलचर की बदहाल सडक़ों, जलभराव और प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

प्रे.सं. ५ जून सिलचर, प्रतिनिधि : सिलचर शहर में लगातार बढ. रही कृत्रिम बाढ, जलभराव और जर्जर सडक़ों की समस्या को लेकर विभिन्न सामाजिक, नागरिक एवं पेशेवर संगठनों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को अतिरिक्त जिला आयुक्त (डीडीसी) राजीव रॉय के माध्यम से कछार जिला आयुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। यह संयुक्त पहल १ जून को यूथ्स अगेंस्ट सोशल इविल्स की केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित 'सिटिजन्स मीट' में लिए गए निर्णय के तहत की गई। प्रतिनिधिमंडल में कछार जिला बार एसोसिएशन, ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर, नागरिक स्वार्थ रक्षा संग्राम परिषद, सीआरपीसी, प्रगतिशील नागरिक समन्वय मंच, बराक डेमोक्रेटिक फ्रंट, यूनाइटेड फोरम फॉर बराक वैली डेवलपमेंट, धअडए सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि लोक निर्माण विभाग (PWD), एनएचआईडीसीएल (NHIDCL), सिलचर नगर निगम, जल संसाधन विभाग तथा अन्य संबंधित सरकारी एजेंसियों की उदासीनता के कारण शहर की बुनियादी समस्याएं दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सिलचर की अधिकांश आंतरिक सडक़ें बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी हैं, विशेषकर कछार कॉलेज पॉइंट से मेहरपुर होते हुए असम विश्वविद्यालय मार्ग तक सडक़ की स्थिति अत्यंत दयनीय है।प्रतिनिधियों ने कहा कि संबंधित विभागों के बीच समन्वय की कमी और योजनाबद्ध ड्रेनेज व्यवस्था के अभाव के कारण शहर में हल्की बारिश के बाद भी जलभराव और कृत्रिम बाढ.जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे आम नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड.रहा है।चर्चा में मुख्य रूप से कछार जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुलाल मित्रा, साधन पुरकायस्थ, अधिवक्ता धुबो कुमार साहा, दीपक सेनगुप्ता, सुव्रत चंद्र नाथ, जॉयदीप भट्टाचार्य, सिविल इंजीनियर अनिर्बाण भौमिक, बिमल कांती डे, सत्यजीत गुप्ता, प्रणब दत्ता, अंजन कुमार चंदा तथा संजीव रॉय सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शहर की ज्वलंत समस्याओं पर अपने विचार रखे और त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।प्रतिनिधिमंडल ने डीडीसी से मांग की कि अगले ७ से १० दिनों के भीतर सभी संबंधित विभागों, नागरिक संगठनों और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जाए, ताकि समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जा सके।ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सिलचर शहर में लंबित सडक़ निर्माण एवं मरम्मत कार्य तत्काल शुरू किए जाएं। डीडीसी राजीव रॉय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों को संबंधित विभागों और सक्षम अधिकारियों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाया जाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए पहल की जाएगी।

एनआईटी सिलचर में विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय सेमिनार

यशवंत पांडेय, शिलकुडी, ५ जून : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंजीनियर्स संस्थान (भारत) स्थानीय सिलचर केन्द्र के सहयोग से एनआईटी सिलचर के इनोवेशन काउंसिल संस्थान के द्वारा स्मार्ट सिटी का निर्माण और शहरी योजना में पर्यावरणीय स्थिरता पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की थीम 'जलवायु कार्रवाई के लिए वैश्विक आह्वान' रखी गई ! कार्यक्रम दीप प्रज्वलन के माध्यम से शुरूहुई , कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करना रहा । कार्यक्रम एनआईटी सिलचर के गेस्ट हाउस ऑडिटोरियम में सुबह १०:३० में आयोजित हुई । कार्यक्रम की शोभा बढाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में सिलचर के सांसद परिमल शुक्लवैद्य उपस्थित रहे , वहीं गुवाहाटी एम्स के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. डॉ. बी. के एस. संजय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि परिमल शुक्लवैद्य ने बताया कि कैसे हम शहर को विकाश कर पाएंगे और पर्यावरण को संरक्षित कर पाएंगे। कार्यक्रम में एनआईटी सिलचर के निदेशक प्रो. दिलीप कुमार वैद्य, आई आई टी धारवाड.के प्रो. जयकुमार, के. वि, एनआईटी सिलचर के प्रो. ए. के. दे सहित कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद , शोधकर्ता और उद्योग विशेषज्ञ आदि मौजूद रहें। कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत के माध्यम से सम्पन्न हुई।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण मूल्यांकन एवं यूडीआईडी पंजीकरण शिविर आयोजित

प्रे.सं. शिलचर, ५ जून: दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं कल्याण के उद्देश्य से जिला समाज कल्याण अधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) कार्यालय, कछार में सहायक उपकरण मूल्यांकन एवं यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कंपोजिट रीजनल सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट, रिहैबिलिटेशन एंड एम्पावरमेंट (सीआरसी-एसआरई), गुवाहाटी तथा सक्षम (SAKSHAM) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।शिविर में संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक, कछार द्वारा नामित चिकित्सकों की टीम ने उपस्थित दिव्यांगजनों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण एवं मूल्यांकन किया। जिन लाभार्थियों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड की आवश्यकता थी, उनका पंजीकरण एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई।

शिविर को जनता की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली। ५०० से अधिक लाभार्थियों ने विभिन्न सरकारी सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए शिविर में भाग लिया।विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में लाभार्थियों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। यूडीआईडी कार्ड निर्माण की प्रक्रिया के साथ-साथ

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

डिब्रूगढ़ जिलाधिकारी विक्रम कोइरी,पूरे जिले में ३.२३ लाख से ज़्यादा पौधे बांटे गए

डिब्रूगढ: (अर्णव शर्मा) ५ जून :वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे २०२६ को इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी के लिए मजबूत कमिटमेंट के साथ मनाते हुए, डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने शुक्रवार को पूरे जिले में पौधारोपण अभियान चलाया। यह देश भर में ड्डस्वच्छ गाँव, सुरक्षित जलवायुड्ड अभियान का हिस्सा है, जिसे जल शक्ति मंत्रालय के तहत पीने के पानी और स्वच्छता विभाग चला रहा है।यह अभियान, जो १ जून से ५ जून तक पूरे देश में मनाया गया, का मकसद ग्रामीण स्वच्छता की पहलों को पर्यावरण संरक्षण और क्लाइमेट रेजिलिएंस के साथ जोड़ना है, और समुदायों को बेहतर भविष्य के लिए सस्टेनेबल तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। डिब्रूगढ.में, बडे.पैमाने पर पौधारोपण कार्यक्रम असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (ASRLM), पंचायत और रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, और पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने मिलकर चलाया। जिले के सात डेवलपमेंट ब्लॉक के तहत सभी ग्राम पंचायतों में पेड. लगाने की एक्टिविटीज.की गई, जिसमें सेल्फ-हेल्प ग्रुप (SHG) के मेंबर, लोकल लोग और सरकारी अफसरों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।इस पहल के तहत, पूरे जिले में १,१४,८७६ सेल्फ-हेल्प ग्रुप के मेंबर के बीच ३,२३,१९० कमर्शियल पौधे बांटे गए। इस बांटने का मकसद न सिर्फ.ग्रीन कवर बढ़ाना है, बल्कि रोजी-रोटी कमाने में भी मदद करना और जलि की चल रही ग्रीन डिब्रूगढ.पहल को मजबूत करना है।इस प्रोग्राम को लीड करते हुए, डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर बिक्रम कैरी, IAS, ने मोहनबाड़ी ग्राम पंचायत ऑफिस में एक पौधा लगाया और सेल्फ-हेल्प ग्रुप के मेंबर और कम्युनिटी के रिप्रेजेंटेटिव की मौजूदगी में एक ग्राम सभा के दौरान लोगों से बातचीत की। लोगों को संबोधित करते हुए, अधिकारियों ने क्लाइमेट चेंज से निपटने, नेचुरल रिसोर्स को बचाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट पक्का करने में कम्युनिटी द्वारा चलाए जा रहे एनवायरनमेंटल एक्शन की अहम भूमिका पर जोर दिया। इस मौके पर बोलते हुए, पार्टिसिपेंट्स ने इस बात पर जोर दिया कि एनवायरनमेंट पर अच्छा असर डालने के लिए पेड.लगाने के साथ-साथ पौधों की लंबे समय तक देखभाल और मेंटेनेंस भी होनी चाहिए। इस पहल ने ग्रामीण इलाकों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए इकोलॉजिकल बैलेंस बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर भी जोर दिया। इस प्रोग्राम में डिब्रूगढ. जिला परिषद की चेयरपर्सन पुष्पांजलि सोनोवाल, चीफ. एग्जीक्यूटिव ऑफिसर दीपू डेका, ASRLM डिब्रूगढ. डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर अनिंद्य भुयान, ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, स्टाफ.सदस्य और स्थानीय निवासी शामिल हुए। यह इवेंट सभी स्टेकहोल्डर्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण की कोशिशों में मदद जारी रखने और एक साफ, हरा-भरा और क्लाइमेट-रेजीलिएंट डिब्रूगढ.बनाने के लिए मिलकर काम करने के नए वादे के साथ खत्म हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीआरपीएफ द्वारा वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

उधारबंद, ५ जून (नीहार कांति राय): विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दयापुर गुप सेंटर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों द्वारा व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुप सेंटर के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) उदय प्रताप सिंह एवं कमांडेंट आर. डी. अर्नल ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं जवानों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम के बाद प्रेरणा भारती के प्रतिनिधि नीहार कांति राय से बातचीत करते [redacted] कि विश्व [redacted] बल्कि [redacted] है। [redacted] यदि [redacted] और [redacted]। [redacted] वह [redacted] यक वृक्ष लगाए और उनकी देखभाल सुनिश्चित करे। यदि आज हम [redacted] प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट से घिरी

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

खान सर पर ही दर्ज हुई FIR, फायरिंग मामले में पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गार्ड पहले ही गिरफ्तार

पटना. (एजें) ५ जून : देश के चर्चित शिक्षक और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के बीच लोकप्रिय नाम खान सर उर्फ फैजल खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार वजह उनका कोई शैक्षणिक वीडियो या सामाजिक मुद्दे पर टिप्पणी नहीं, बल्कि उनके कोचिंग संस्थान के बाहर हुई फायरिंग और बवाल की घटना है. मामले में बडा मोड.तब आया जब पटना पुलिस ने जांच के बाद खान सर, उनके दो सुरक्षाकर्मियों और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली. पुलिस का दावा है कि घटना से जुडे.वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है.जानकारी के अनुसार २ जून की रात पटना के मुसल्लहपुर हाट स्थित खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग सेंटर के बाहर विवाद, पथराव और तोडफ़ोड. की घटना हुई थी. शुरुआती दौर में इस मामले में कोचिंग संस्थान की ओर से विरोधी पक्ष पर आरोप लगाए गए थे और शिकायत भी दर्ज कराई गई थी. लेकिन पुलिस जांच के दौरान घटनाक्रम ने नया मोड.ले लिया.पटना पुलिस के अनुसार जांच के दौरान एक वीडियो सामने आया, जिसमें कोचिंग संस्थान से जुडे.दो सुरक्षाकर्मी हवा में फायरिंग करते दिखाई दिए. वीडियो की सत्यता की जांच के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार किए गए सुरक्षाकर्मियों के नाम प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह बताए गए हैं.

कदमकुआं थाना में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना की रात कोचिंग संस्थान के बाहर तनावपूर्ण माहौल बन गया था. पुलिस का दावा है कि इसी दौरान खान सर भी मौके पर पहुंचे थे. प्राथमिकी में आरोप लगाया

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

बरम बाबा तीर्थस्थल के विकास को नई दिशा देंगे

ओम प्रकाश सिंह, बोले- 'ऐसा काम करेंगे जिसे लोग वर्षों तक याद रखेंगे', अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार खुलकर बोले

शिलकुडी-बिक्रमपुर चाय बागान के महाप्रबंधक, तीर्थस्थल विकास, चाय उद्योग और भूमि विवादों पर रखी अपनी बात

शिवकुमार, शिलकुडी (कछार), ०५ जून। बराक घाटी के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक आस्था केंद्र बरम बाबा तीर्थस्थल के विकास को लेकर नई उम्मीदों का दौर शुरू हो गया है। हाल ही में बरम बाबा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष चुने गए शिलकुडी एवं बिक्रमपुर चाय बागान के महाप्रबंधक ओम प्रकाश सिंह ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में तीर्थस्थल के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और मेले के बेहतर प्रबंधन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

प्रेरणा भारती डिजिटल न्यूज नेटवर्क को दिए एक विशेष साक्षात्कार में ओम प्रकाश सिंह ने अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव, बरम बाबा तीर्थस्थल के भविष्य, शिलकुडी चाय बागान की वर्तमान स्थिति और भूमि विवाद जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

बराक घाटी की आस्था का प्रमुख केंद्र है बरम बाबा: बरम बाबा तीर्थस्थल बराक घाटी के सबसे बडे धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहां स्थित नौ मंदिर और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला विशाल धार्मिक मेला वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। असम के विभिन्न जिलों के अलावा पडोसी राज्यों और अन्य क्षेत्रों से भी बडी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। हाल ही में मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष चुने गए ओम प्रकाश सिंह का मानना है कि यह केवल एक मंदिर परिसर नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

३७ वर्षों का अनुभव, चाय उद्योग में लंबा सफर: अपने परिचय में ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि वे लगभग ३७ वर्षों से चाय उद्योग से जुडे हुए हैं। उन्होंने असम के कई प्रमुख चाय क्षेत्रों में कार्य किया है। गोलाघाट, नौगांव और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के बाद उनका स्थानांतरण कछार जिले में हुआ। उन्होंने बताया कि कछार क्षेत्र से उनका पुराना संबंध रहा है और यहां के सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश को वे भलीभांति समझते हैं। लगभग एक वर्ष पूर्व उन्होंने शिलकुडी एवं बिक्रमपुर चाय बागानों में समूह महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला था।

सरकार से मिलने वाली सहायता राशि से होगा विकास: बरम बाबा तीर्थस्थल के विकास को लेकर अपनी योजनाओं का खुलासा करते हुए ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के स्तर पर विकास कार्यों के लिए सहायता राशि की घोषणा की गई है। यदि यह राशि उपलब्ध होती है तो मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सबसे पहले मंदिर परिसर में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, आवागमन और सुरक्षा से जुडे कार्य प्राथमिकता में रहेंगे।

पुजारियों के लिए आवासीय कॉलोनी बनाने की योजना: ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मंदिर से जुडे पुजारियों और धार्मिक गतिविधियों में योगदान देने वाले लोगों के लिए बेहतर आवासीय व्यवस्था की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

उन्होंने बताया कि भविष्य में पुजारियों के लिए एक व्यवस्थित आवासीय कॉलोनी बनाने की योजना है, जिससे धार्मिक गतिविधियों का संचालन और अधिक सुचारू रूप से हो सके।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को मिलेगा नया स्वरूप: हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला बरम बाबा मेला बराक घाटी के सबसे बडे धार्मिक आयोजनों में से एक माना जाता है। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के कारण कई बार स्थान और सुविधाओं की कमी महसूस होती है। इस विषय पर बोलते हुए ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि मेले के दौरान बढती भीड को ध्यान में रखते हुए परिसर के विस्तार और बेहतर प्रबंधन पर विचार किया जाएगा। समिति के अन्य सदस्यों और स्थानीय लोगों के साथ चर्चा कर ऐसी योजनाएं बनाई जाएंगी जिनसे श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि मेले को भविष्य में और अधिक व्यवस्थित तथा आकर्षक बनाने का प्रयास किया जाएगा ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी सकारात्मक अनुभव प्राप्त हो।

मंदिर परिसर के सौंदयीकरण पर विशेष ध्यान: अध्यक्ष बनने के बाद ओम प्रकाश सिंह ने मंदिर परिसर के सौंदयीकरण को भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने बताया कि परिसर के आसपास उपलब्ध स्थानों को विकसित करने, साफ-सफाई की व्यवस्था मजबूत करने तथा श्रद्धालुओं के बैठने और विश्राम की सुविधाएं बढाने पर विचार किया जा रहा है। उनका मानना है कि धार्मिक स्थल के विकास के साथ-साथ उसकी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक पहचान को भी सुरक्षित रखना आवश्यक है।

'काम ऐसा होगा जिसे लोग याद रखेंगे': साक्षात्कार के दौरान ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वे केवल पद संभालने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसा काम करना चाहते हैं जिससे क्षेत्र के लोगों को वास्तविक लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का मूल्यांकन जनता स्वयं करेगी, लेकिन उनका प्रयास रहेगा कि बरम बाबा तीर्थस्थल के लिए ऐसे कार्य किए जाएं जिन्हें आने वाले वर्षों तक याद रखा जाए।

चाय उद्योग कठिन दौर से गुजर रहा: चाय उद्योग की वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरा उद्योग कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उत्पादन लागत बढ रही है जबकि बाजार की परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं रहतीं।

इसके बावजूद उन्होंने विश्वास जताया कि सही प्रबंधन और योजनाबद्ध प्रयासों के माध्यम से बागानों को बेहतर स्थिति में लाया जा सकता है।

गुणवत्ता के लिए आज भी प्रसिद्ध है शिलकुडी चाय बागान: ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिलकुडी चाय बागान लंबे समय से अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए जाना जाता रहा है। वर्तमान प्रबंधन भी उसी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने बताया कि उत्पादन और गुणवत्ता दोनों क्षेत्रों में सुधार के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

भूमि विवादों पर भी रखी अपनी बात: हाल के समय में शिलकुडी चाय बागान की भूमि को लेकर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं और विवाद सामने आए हैं। इस संबंध में पूछे गए प्रश्न पर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि कई मामले पूर्व प्रबंधन के कार्यकाल से जुडे हुए हैं और संबंधित एजेंसियों द्वारा उनकी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य कंपनी की संपत्तियों का संरक्षण, उत्पादक भूमि का विकास और बागान के हितों की रक्षा करना है। प्रबंधन का पूरा ध्यान चाय उत्पादन और श्रमिकों के हितों पर केंद्रित है।

क्षेत्र के विकास को लेकर बढी उम्मीदें: बरम बाबा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में ओम प्रकाश सिंह की नियुक्ति के बाद क्षेत्र के लोगों में विकास को लेकर नई उम्मीदें दिखाई दे रही हैं। श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों का मानना है कि उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र के विकास में मिलेगा। यदि प्रस्तावित योजनाएं धरातल पर उतरती हैं तो आने वाले वर्षों में बरम बाबा तीर्थस्थल न केवल बराक घाटी बल्कि पूरे असम के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में अपनी एक नई पहचान स्थापित कर सकता है।

सम्पादकीय.....

विश्व पर्यावरण दिवस: चेतावनी का समय, संकल्प का अवसर

विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष ५ जून को मनाया जाता है, लेकिन यह केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है। यह वह अवसर है जब मानव समाज को अपने विकास के मॉडल और प्रकृति के साथ अपने संबंधों का गंभीर मूल्यांकन करना चाहिए। दुर्भाग्य से आज दुनिया ऐसे मोड पर खडी है, जहां पर्यावरणीय संकट भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की अंधाधुंध कटाई, नदियों का प्रदूषण और जैव विविधता का लगातार क्षरण मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में रिकॉर्ड तोड गर्मी, असामान्य वर्षा, बाढ, सूखा और जंगलों में आग की घटनाएं यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड रहा है। यह संकट किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के अस्तित्व से जुडा हुआ है।

विडंबना यह है कि विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का जिस गति से दोहन किया गया, उसने आर्थिक प्रगति तो दी, लेकिन पर्यावरणीय कीमत भी भारी चुकानी पडी। आज स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और हरित वातावरण जैसी मूलभूत आवश्यकताएं भी चुनौती बनती जा रही हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाली पीढियों को एक ऐसे ग्रह की विरासत मिलेगी, जो संसाधनों की कमी और पर्यावरणीय असंतुलन से जूझ रहा होगा।

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश के लिए यह चुनौती और अधिक महत्वपूर्ण है। तेजी से बढते शहरीकरण और औद्योगीकरण के बीच पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बडी आवश्यकता है। सरकारों को केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करना होगा। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को जनभागीदारी के साथ आगे बढाना होगा।

हालांकि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव्रजैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल और ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता्रबडे सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। पर्यावरण की रक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं है। यह आने वाली पीढियों की भी धरोहर है। इसलिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आवश्यकता केवल चर्चा की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की है। यदि हम अभी नहीं चेते, तो भविष्य की पीढियां हमें उस पीढी के रूप में याद करेंगी जिसने चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। लेकिन यदि हम आज सही निर्णय लेते हैं, तो एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भविष्य का निर्माण संभव है। विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश स्पष्ट हैृप्रकृति की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर खासपुर चाय बागान में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रे.सं.शिलचर, ५ जून २०२६: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बराक उपत्यका बाक्ति/बाग्दी समाज कल्याण समिति की ओर से खासपुर चाय बागान क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढाना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित करना था।इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई।समिति के अध्यक्ष श्री ललित बाक्ति ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और आने वाली पीढियों के सुरक्षित भविष्य के लिए

वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाना आवश्यक है।कार्यक्रम में बराक उपत्यका बाक्ति/बाग्दी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री ललित बाक्ति, सचिव श्री विष्णु पद बाग्दी तथा कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप बाग्दी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आने का आह्वान किया।

मानव जीवन के अस्तित्व हेतु पर्यावरणीय संरक्षण अपरिहार्य

-ई० प्रभात किशोर

आज समूचे विश्व में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक क्रांति की होड़ में मानव ने पर्यावरण पर पड़नेवाले कुप्रभावों को नजरअंदाज कर दिया है । विश्व में भारतवर्ष चीन के बाद सबसे अधिक प्रदूषित राष्ट्र है । पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण जलवायु में आमूल-चूल परिवर्तन हो रहे हैं, पृथ्वी के तापमान में तीव्र गति से वृद्धि होती जा रही है और मानव स्वास्थ्य पर अप्रत्याशित रूप से प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना है।

पृथ्वी पर दिनोंदिन बढ़ती जा रही गर्मी तथा तापमान कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, वरन् शत-प्रतिशत वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय समस्या है । वायु में ऑक्सीजन, नाईट्रोजन, कार्बन डाई- ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड आदि गैसों का अनुपात नियंत्रित होता है । वैज्ञानिक एवं औद्योगिक क्रान्ति की होड़ में बढ़ते उद्योग-धंधे एवं परिवहन साधन, शहरीकरण एवं वन विनाश आदि अनेकानेक कारणों से वायुमंडल में उपस्थित गैसों का अनुपात असंतुलित हो गया है जिससे वायु प्रदूषण की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है । मनुष्य की श्वसन क्रिया के पश्चात ऑक्सीजन गैस कार्बन डाइ- ऑक्साइड गैस के रूप में बाहर निकलती है । बढ़ती आबादी के साथ ऑक्सीजन की खपत अधिक एवं कार्बन डाइ- ऑक्साइड का उत्पादन अधिक हो रहा है । उर्जा के परम्परागत श्रोतों यथा-कोयला, लकड़ी, पेट्रोलियम आदि के जलने से वातावरण में कार्बन डाइ- ऑक्साइड काफी मात्रा में पहुंच जाती है। औद्योगिक विकास हेतु विश्व भर में उद्योग-धंधों का जाल बिछता जा रहा है और परिवहन साधनों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है । वाहनों एवं कल-कारखानों से निकलनेवाले धुएं में कार्बन डाइ- ऑक्साइड के अलावा कार्बन मोनो- ऑक्साइड, नाईट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर ऑक्साइड, लेड ऑक्साइड, कणिकीय पदार्थ, कार्बन कण, अकार्बनिक राख, भारी हाइड्रो-कार्बन आदि होते हैं, जो वायुमंडल को प्रदूषित करते हैं । फलस्वरूप इससे स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है । बहुत से उद्योगों से निकलनेवाले रसायन विशेषकर क्लोरो कार्बन तथा नाभिकीय (न्यूक्लीयर) एवं परमाणु विस्फोटों से उत्पन्न नाइट्रोजन के ऑक्साइड ओजोन-पट्टी, जो सूर्य की पराबैगनी किरणों से हमारी रक्षा करता है, में पहुंचकर, उसे क्षति पहुंचाते है । यदि इन रसायनों के निकलने की यही गति रही, तो आगामी ५० वर्षों में पृथ्वी की ओजोन-पट्टी में कम-से-कम २५ से ३० प्रतिशत की क्षति हो सकती है, जिससे धूप की गर्मी में वृद्धि हो जायेगी और मानव एवं पशुओं की त्वचा को कैंसर का खतरा बढ़ सकता है । एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में नगरपालिका से ४५.६२ प्रतिशत, बायोमेडिकल/केमिकल से २० प्रतिशत, यातायात से १४ प्रतिशत, उद्योग-धंधों से ६.४ प्रतिशत, थर्मल पावर स्टेशन से ६.४ प्रतिशत तथा अन्य माध्यमों से ६.७ प्रतिशत प्रदूषण हो रहा है ।

पेड़-पौधे पर्यावरण के प्रमुख घटक हैं । ये वायुमंडल में विद्यमान कार्बन डाइ- ऑक्साइड को संतुलित करने का कार्य करते हैं । परन्तु देश में मात्र २० प्रतिशत भूभाग में वन क्षेत्र हैं, जबकि किसी भी भूभाग में न्यूनतम ३३ प्रतिशत क्षेत्र में वनों का होना आवश्यक है । वनों की अंधाधुंध कटाई एवं शहरीकरण में वृद्धि के कारण विगत वर्षों में वायुमंडल में कार्बन डाइ-ऑक्साइड की मात्रा में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है । इस गैस में धूप को गुजरने देने के गुण के कारण वायुमंडल में तापक्रम के बढ़ने तथा भयंकर गर्मी पड़ने की प्रवृति रहती है, जिससे अनावश्यक भौगोलिक व मौसमी परिवर्तन हो सकते हैं ।संस्कृत साहित्य में वृक्षों को देवता मानकर पूजा गया है एवं हरे वृक्षों को काटने से मना करते हुए उनके संरक्षण एवं संवर्द्धन की बात की गयी है ताकि सम्पूर्ण पर्यावरण सुरक्षित रहे । मनुष्यों के लिए प्राणवायु एवं संजीवनी का काम करने के कारण हीं धार्मिक ग्रन्थों में वृक्षों को महिमामंडित किया गया है तथा वट, पीपल, आंवला, तुलसी को देवतुल्य मानकर पूजा जाता है । मत्स्य पुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान बताया गया है । '' दश कूप समावापी दशवापी समोह्रदः । दश ह्रदसमः पुत्रों दशपुत्र समो द्रुमः ।। ''भगवद्गीता में वट/बरगद वृक्ष की महत्ता प्रतिपादित करते हुए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं - '' अश्वत्थः सर्ववृक्षाणाम् '' अर्थात मैं सभी वृक्षों में वट/बरगद का वृक्ष हूं । यजुर्वेद में वृक्षों को भगवान शिव का मूर्तरूप बताया गया है । जिस प्रकार भगवान शिव विषपान करते हैं तथा अमृत प्रदान करते हैं, उसी प्रकार वृक्ष विष (कार्बन डाय ऑक्साइड आदि विषैली गैस) ग्रहण कर ऑक्सीजन रूपी अमृत (प्राणवायु) प्रदान करते हैं । वस्तुतः ये सारे प्रसंग पर्यावरण संवर्द्धन के प्रमुख कारक पेड़-पौधों की महता को केन्द्र में रखकर सामाजिक सरोकार की दृष्टि से रचे गये हैं ।जब तक आम आदमी पर्यावरण के प्रति उपेक्षा का भाव त्याग कर पर्यावरणीय संरक्षण के कार्य यथा-भूमि का समन्वित उपभोग, वन विनाश को रोकना तथा भूमि को हरा-भरा बनाना, औद्योगिक क्षेत्रों में वायु व जल प्रदूषण पर नियंत्रण, नदियों के जल प्रदूषण पर नियंत्रण, पर्यावरणीय शिक्षा व जागरूकता आदि में यथाशक्ति योगदान नहीं करता तो आनेवाले कल में कार्बन डाइ-ऑक्साइड में अप्रत्याशित वृद्धि तथा ओजोन परत की क्षति के कारण पृथ्वी इतनी तप जायेगी कि हर मानव घातक बीमारियों का शिकार होगा और मानवजाति के अस्तित्व का संकट आ खड़ा होगा ।(ई० प्रभात किशोर, अभियंता एवं शिक्षाशास्त्री) , पटना

मो०- ८५४४१२८४२८

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग ।

-सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अडे रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वार्ताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है।

वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक

समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ह[redacted]

बढती हिंस[redacted]

कहीं अधि[redacted]

मध्यम मा[redacted]

मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य [redacted]

का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही [redacted]

**सुनील कुमार महला,
फ्रीलांस राइटर,
कॉलमिस्ट व युवा
साहित्यकार, पिथौरागढ,
उत्तराखंड।मोबाइल
९८२८१०८८५८**

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

भारतमाला परियोजना में मुआवजा घोटाले की आशंका....

जानकारी सामने आने के बाद कछार जिला प्रशासन सक्रिय हुआ और विस्तृत जांच के बाद बडे.पैमाने पर उच्छेद अभियान शुरू किया गया।अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग १,००० पुलिसकर्मियों तथा सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया। प्रशासन की कड़ी निगरानी में चल रही यह कार्रवाई अब तक पूरी तरह शांतिपूर्ण रही है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध कब्जे अथवा सरकारी मुआवजे की राशि के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीआरपीएफ द्वारा वृक्षारोपण...

दुनियां विरासत में मिलेगी।
डीआईजी ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि केवल वृक्षारोपण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों को जीवित रखना और हरित वातावरण का विस्तार करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पृथ्वी उपहार स्वरूप दी जा सकती है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक ....

विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों की आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों की पहचान भी की गई। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को भी शामिल किया गया तथा पात्र वृद्धजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हित किया गया।आयोजकों ने बताया कि सीआरसी द्वारा आवश्यक सहायक उपकरणों की सूची तैयार की जाएगी तथा वितरण की तिथि निर्धारित होने पर सभी लाभार्थियों को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जाएगा।सीआरसी-एसआरई की निदेशक डॉ. लानू बानबीर ऐमोल ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक, कछार, समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने गुरु चरण विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) कछार, लायंस क्लब ऑफ शिलचर वैली व्यू तथा YASE के स्वयंसेवकों को भी उनके अमूल्य सहयोग एवं सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया।

खान सर पर ही दर्ज हुई FIR, फायरिंग मामले ....

गया है कि उन्होंने कथित रूप से अपने सुरक्षाकर्मियों को फायरिंग करने के लिए कहा, जिसके बाद गाड़ी ने हवा में कई राउंड गोलियां चलाई. हालांकि इन आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्धारण न्यायिक प्रक्रिया और जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा.पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में केवल फायरिंग ही नहीं, बल्कि घटना के बाद पुलिस को दी गई जानकारी और साक्ष्यों के प्रबंधन को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं. जांच एजेंसियों के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर पुलिस को जो जानकारी दी गई, उसमें कई विरोधाभास पाए गए. इसके अलावा घटनास्थल से जुड़े कुछ साक्ष्यों को हटाने या छिपाने की कोशिश किए जाने की भी जांच की जा रही है.पुलिस ने खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट से संबंधित प्रावधानों के अलावा कथित रूप से गलत सूचना देने और जांच को प्रभावित करने से जुड़े आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया है. मामले में बरामद हथियारों को जब्त कर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है, जहां उनकी तकनीकी जांच की जा रही है.घटना के बाद छात्रों में भी काफी हलचल देखी गई थी. ३ जून को बड़ी संख्या में छात्र कोचिंग संस्थान के बाहर एकत्र हुए थे और विरोध प्रदर्शन किया था. हालात को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था. उस दौरान एक सुरक्षाकर्मी के घायल होने की भी सूचना सामने आई थी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था.इस पूरे घटनाक्रम के दौरान खान सर के बयानों को लेकर भी चर्चा रही. घटना के बाद उन्होंने विभिन्न अवसरों पर अलग-अलग बातें कहीं, जिन्हें पुलिस जांच का हिस्सा बना रही है. वहीं खान सर का कहना है कि उन्हें प्राथमिकी की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे.पटना पुलिस ने छात्रों और अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें. पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और जांच पूरी निष्पक्षता के साथ की जा रही है. फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि आगे मिलने वाले साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

गुरुचरण विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण और प्रतियोगिताओं का आयोजन

विशेष संवाददाता, शिलचर, ५ जून, २०२६: गुरुचरण विश्वविद्यालय में आज 'विश्व पर्यावरण दिवस २०२६' के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) 'प्रकृति से प्रेरणा: जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' था। विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम सुबह ११ बजे विश्वविद्यालय परिसर में शुरू हुआ।दिन की शुरुआत विश्वविद्यालय के बॉयज हॉस्टल परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार पौधों के रोपण के साथ हुई। पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच पोस्टर मेकिंग और स्लोगन (नारा) लेखन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इस गरिमामयी कार्यक्रम की संयोजक इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष मैत्रेयी भट्टाचार्य थीं, जबकि अध्यक्षता डीएसडब्ल्यू (DSW) डॉ. जयदीप पाल ने की।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शीर्ष पदाधिकारी और प्राध्यापक उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से: प्रोफेसर निरंजन रॉय (कुलपति / Vice-Chancellor) डॉ. विद्युत कांति पाल (कुलसचिव / Registrar), डॉ. अभिजीत नाथ (अकादमिक कुलसचिव), डॉ. रणविजय दास(वित्त अधिकारी), डॉ. चंदन पाल चौधरी वनस्पति विज्ञान (Botan,) और इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट साइंस विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं शोधार्थी शामिल थे।पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा-कार्यक्रम के दौरान वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. मृदुल मोहन दास ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा: 'आज के समय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की जरूरत है। पर्यावरण प्रदूषण को कम करके ही हम पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख सकते हैं।' इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने पृथ्वी को पुनर्जीवित करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने, जैव विविधता (Biodiversity) की रक्षा करने और एक हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प (अंगीकार) लिया।कार्यक्रम के अंतिम चरण में पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले और विजेता रहे प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के साथ ही पर्यावरण चेतना के इस सफल अभियान का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी के १२ वर्ष पूर्ण होने पर कछार में चलेगा स्वच्छता अभियान

खैरुल आलम मजूमदार, बरजत्रपुर ५ जून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के १२ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कछार जिला अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा जिलेभर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष अताउर रहमान लस्कर की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई। अपने संबोधन में अताउर रहमान लस्कर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बनाई है तथा देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व मंच पर एक सशक्त और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है।स्वच्छता अभियान के सफल संचालन के लिए १९ सदस्यीय जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया। समिति में स्नेहाशीष बरुआ को संयोजक तथा मिजानुर रहमान लस्कर को सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं, अल्पसंख्यक मोर्चा की उपाध्यक्ष मोयना मिया लस्कर को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के कार्यक्रमों के समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके अलावा अनवर हुसैन अहमद को बरखोला विधानसभा, इनामुल इस्लाम लस्कर को सिलचर विधानसभा, हमीदुल इस्लाम लस्कर को धलाई विधानसभा तथा अब्दुल रज्जाक को लक्ष्मीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है।घोषित कार्यक्रम के अनुसार ९ जून को उदारबंद, १० जून को बरखोला, ११ जून को धलाई, १३ जून को कटिगोरा एवं लक्ष्मीपुर तथा १४ जून को सिलचर और सोनाई विधानसभा क्षेत्रों में सुबह ९ बजे से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।जिला अध्यक्ष अताउर रहमान लस्कर ने कछार जिले के सभी २३ मंडलों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए इसे जन-जागरूकता और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दायित्व का महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताया।

डी. एच. एस. के. लॉ कॉलेज ने वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर प्लांटेशन ड्राइव की

डिब्रूगढ (अर्णव शर्मा) ५ जून :: वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर, डिब्रूगढ.हनुमानबक्स सूरजमल कनोई लॉ कॉलेज के हेल्थ एंड इको क्लब ने, जो ऊपरी असम के सबसे पुराने और कानूनी शिक्षा के सबसे बडे.इंस्टीट्यूशन में से एक है, शुक्रवार को जिले में कई जगहों पर प्लांटेशन ड्राइव का आयोजन किया।इस पहल के तहत, कॉलेज कैंपस के साथ-साथ डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट जेल, डिस्ट्रिक्ट जज के ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट ऑफिसर के ऑफिस और दूसरी तय जगहों पर पौधे लगाए गए।इस प्रोग्राम को कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रसेनजीत बोरकाकोटी ने लीड किया और इसमें इंस्टीट्यूशन के फैकल्टी मेंबर, स्टूडेंट और स्टाफ ने एक्टिव रूप से हिस्सा लिया। डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट जेल, डिस्ट्रिक्ट जज के ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट ऑफिसर के ऑफिस और डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के अधिकारी और रिप्रेजेंटेटिव भी प्लांटेशन ड्राइव में शामिल हुए।इस पहल का मकसद एनवायरनमेंट के बारे में जागरूकता बढाना और इकोलॉजिकल कंजर्वेशन के लिए मिलकर जिम्मेदारी लेने को बढावा देना था। पार्टिसिपेंट्स ने एनवायरनमेंट बैलेंस बनाए रखने और एक ग्रीन और ज़्यादा सस्टेनेबल भविष्य में योगदान देने के लिए पेड.लगाने के महत्व पर जोर दिया।यह इवेंट वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर स्टूडेंट्स और बडे.समुदाय के बीच एनवायरनमेंट के बारे में जागरूकता बढाने के कॉलेज के कमिटमेंट का हिस्सा था।

BCPL ने प्लांटेशन ड्राइव, अवेयरनेस कैंपेन और 'एनविकेयर' रिलीज.के साथ वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे २०२६ मनाया

डिब्रूगढ: (अर्णव शर्मा) ५ जून :एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी के लिए पक्के कमिटमेंट के साथ वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे २०२६ मनाते हुए, इउझङ ने अपने ऑपरेशनल लोकेशन पर कई ग्रीन इनिशिएटिव और अवेयरनेस प्रोग्राम किए, जिससे एक जम़्मेदार कॉर्पोरेट एनवायरनमेंटल सिटिजऩ के तौर पर अपनी भूमिका को फिर से पक्का किया।सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर, इउझङ के लेपेटकाटा, लकवा और दुलियाजान प्लांट में प्लांटेशन ड्राइव ऑर्गनाइज.किए गए, जिनका मकसद ग्रीन कवर को बढाना और बायोडायवर्सिटी को बढावा देना था। इन इनिशिएटिव से कंपनी की एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की लगातार कोशिशों का पता चलता है।नई पीढी में एनवायरनमेंटल अवेयरनेस को बढावा देने के लिए, BCPL ने बारबरुआ में BCPL टाउनशिप में एम्प्लॉई के बच्चों के लिए एक ड्राइंग कॉम्पिटिशन और प्लांटेशन ड्राइव ऑर्गनाइज.किया। प्रोग्राम का मकसद युवा पार्टिसिपेंट्स में एनवायरनमेंटल जम़्मेदारी और नेचर के लिए तारीफ.की भावना पैदा करना था। एक और खास पहल में, कर्मचारियों के जीवनसाथियों के लिए ङ्कक्लाइमेट चेंज में आपकी भूमिकाङ्क थीम पर एक पोस्टर कॉम्पिटिशन रखा गया, जिससे सस्टेनेबिलिटी और क्लाइमेट एक्शन पर चर्चा में परिवार की ज़्यादा भागीदारी को बढावा मिला।संगठन से आगे अपनी पहुंच बढाते हुए, BCPL पास के एक स्कूल में एक एनवायरनमेंटल अवेयरनेस प्रोग्राम करने की भी योजना बना रहा है, ताकि छात्रों को एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन, क्लाइमेट रिस्पॉन्सिबिलिटी और सस्टेनेबल तरीकों के महत्व के बारे में बताया जा सके। वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे मनाने का एक खास आकर्षण इउझङ की सालाना एनवायरनमेंटल मैगजीन, ङ्कएनवीकेयरङ्क के सातवें एडिशन का उद्घाटन कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने किया। इस पब्लिकेशन में एनवायरनमेंटल एक्सपर्ट्स, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और असम पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों के साथ-साथ BCPL कर्मचारियों के जानकारी भरे आर्टिकल और नजरिए शामिल हैं। योगदान देने वालों ने एनवायरनमेंट की सुरक्षा और उसे बनाए रखने के मकसद से अपनी चिंताएं, अनुभव और प्रैक्टिकल समाधान शेयर किए हैं। इस मौके पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, मैनेजिंग डायरेक्टर ने मिलकर एनवायरनमेंटल रिस्पॉन्सिबिलिटी के महत्व पर जोर दिया और भूटान और सिंगापुर जैसे देशों द्वारा अपनाए गए बेहतरीन सस्टेनेबिलिटी तरीकों का जक्रि किया। उन्होंने कर्मचारियों से न केवल इउझङ के ऑपरेशनल परिसर में बल्कि अपनी निजी जदिंगी और समुदायों में भी इको-फ्रेंडली आदतें अपनाने का आग्रह किया।पर्यावरण की देखभाल के लिए कंपनी के कमिटमेंट को दोहराते हुए, इउझङ ने कहा कि वह ऐसे कामों के जरिए प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और बचाव के लिए समर्पित है जो सस्टेनेबल डेवलपमेंट और धरती की लंबे समय तक भलाई में योगदान देते हैं।वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के प्रोग्राम इउझङ की अपने कॉर्पोरेट कल्चर में पर्यावरण की जम़्मेदारी को शामिल करने की लगातार कोशिशों को दिखाते हैं, साथ ही कर्मचारियों, परिवारों और स्थानीय समुदायों को पर्यावरण की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

जन शिक्षण संस्थान सिलचर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस २०२६ का आयोजन

प्रे.सं.शिलचर, ५ जून : जन शिक्षण संस्थान सिलचर द्वारा २ जून से ५ जून २०२६ तक विश्व पर्यावरण दिवस २०२६ का आयोजन बडे.उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ किया गया। यह कार्यक्रम निदेशक मौटुशी चक्रवती के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।चार दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में पर्यावरण जागरूकता से संबंधित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न केंद्रों में पौधों का वितरण किया गया तथा लाभार्थियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा अपने-अपने केंद्रों में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम तारापुर केंद्र, मालुग्राम केंद्र, स्वयंबरा केंद्र, सिलकोरी रामकृष्ण आश्रम केंद्र, दुर्गाकोना केंद्र, एनआईटी केंद्र, कॉलेज रोड केंद्र, दास कॉलोनी केंद्र एवं टाइनी टॉसी स्कूल केंद्र में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में मिताली शुक्ला बुद्धा, कल्पना पाल, जया रानी राय, सुप्रा चक्रवती, बापन चक्रवती, शांति केवट एवं रश्मिता दास उपस्थित रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण के महत्व पर जागरूकता संदेश प्रदान किया।संस्थान के स्टाफ सदस्य सुब्रोजोति भवाल, बिमाशु देबनाथ, सुरोज कांति दास एवं काकोली चक्रवती ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान सिलचर द्वारा मुक्ताश्री स्कूल, सिलचर में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें कुल २७ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।संपूर्ण कार्यक्रम में कुल १८१ प्रतिभागियों की उपस्थिति रही तथा सभी ने पर्यावरण जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्थान द्वारा श्री सप्तर्षि पाल, श्री स्वरूप बनिक एवं श्रीमती मौसुमी भट्टाचार्य को उनके सहयोग एवं समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।निदेशक मौटुशी चक्रवती ने सभी लाभार्थियों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं सतत जीवनशैली को बढावा देने के महत्वपूर्ण संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डिब्रूगढ.प्रेस क्लब ने वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर प्लांटेशन ड्राइव के साथ मनाया, लंबे समय तक एनवायरनमेंट की देखभाल पर जो़र दिया

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) ५ जून : एनवायरनमेंट बचाने और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के मैसेज को और मजबूत करते हुए, डिब्रूगढ.प्रेस क्लब ने सेंट्रल रिजर्व़ पुलिस फोर्स (CRPF) की १७१ बटालियन और असम फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के साथ मिलकर शुक्रवार को चौकीडिंगी में प्रेस क्लब की जगह पर वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर प्लांटेशन ड्राइव का आयोजन किया।इस प्रोग्राम में मीडिया जगत के लोग, CRPF के जवान, एनवायरनमेंट के सपोर्टर और जाने-माने मेहमान एक साथ आए ताकि इकोलॉजिकल अवेयरनेस को बढावा दिया जा सके और जम़्मेदार एनवायरनमेंटल एक्शन को बढावा दिया जा सके।CRPF के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (ऑपरेशंस), प्रभाकर त्रिपाठी, इस इवेंट में चीफ.गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। खास लोगों में १७१ बटालियन CRPF के कमांडिंग ऑफिसर एस. केंगू और पंकज पी. शाह, सेकंड-इन-कमांड संजय मारवाड, डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन (DDSA) के जनरल सेक्रेटरी और पूर्व रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर कामाख्या सैकिया, ऑल इंडिया रेडियो (AIR) डिब्रूगढ.के पूर्व प्रोग्राम हेड लोहित डेका, और डॉ. राधाकृष्णन स्कूल ऑफ.आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस के डायरेक्टर और प्रिंसिपल विकास गोगोई शामिल थे। डिब्रूगढ.प्रेस क्लब के प्रेसिडेंट मानस ज्योति दत्ता, जनरल सेक्रेटरी रिपुंजॉय दास, प्रेस क्लब के पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद थे।प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर, मेहमानों और प्रेस क्लब के सदस्यों ने कई नाहोर पौधे लगाए, जो मशहूर असमिया सिंगर जुब़ीन गर्ग को समर्पित थे, जो नाहोर पेड.के प्रति अपने खास लगाव के लिए जाने जाते हैं। लोगों को संबोधित करते हुए, DIG (ऑपरेशंस) प्रभाकर त्रिपाठी ने जीवन को बनाए रखने और इकोलॉजिकल बैलेंस बनाए रखने में पेडों की अहम भूमिका पर जोर दिया। उजतखऊ-१९ महामारी का जक्रि करते हुए, उन्होंने ऑक्सीजन के महत्व और प्रकृति को बचाने की जरूरत पर जोर दिया।उन्होंने कहा, "COVID-19 महामारी के दौरान, ऑक्सीजन अनगिनत मरीजों के लिए सबसे जरूरी दवा बन गई। पेड.हमारे ऑक्सीजन का मुख्य सोर्स हैं, और इसलिए उन्हें लगाना और उनकी सुरक्षा करना हमारी सामूहिक जम़्मेदारी है।ङ्क उन्होंने आगे कहा कि CRPF अपनी मुख्य सुरक्षा ड्यूटी के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरण से जुडे.कामों में हिस्सा लेने के लिए भी तैयार है। त्रिपाठी ने पर्यावरण से जुडे.कामों को लगातार आगे बढाने और डिब्रू-सैखोवा नेशनल पार्क और देहिंग पटकाई रिजर्व़ फॉरेस्ट जैसे इकोलॉजिकली जरूरी इलाकों के बचाव के बारे में जागरूकता बढाने के लिए डिब्रूगढ.प्रेस क्लब की भी तारीफ.की। उन्होंने लोगों को जागरूक करने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए सपोर्ट जुटाने में मीडिया की भूमिका की तारीफ.की। रिसोर्स पर्सन लोहित डेका ने पौधे लगाने के बाद देखभाल के महत्व पर ध्यान दिया और कहा कि पौधे लगाने की असली सफलता सिर्फ.पौधे लगाने में नहीं है, बल्कि उनके जदिंा रहने और बढने को पक्का करने में है।डेका ने कहा, ङ्कएक पौधा लगाना तो बस शुरुआत है। अगर हम चाहते हैं कि ये पौधे सेहतमंद पेड.बनें, तो रेगुलर देखभाल, सुरक्षा और सही देखभाल जरूरी है। पर्यावरण की जम़्मेदारी सिर्फ.पौधे लगाने से खत्म नहीं होती; यह वहीं से शुरू होती है।ङ्कदूसरे स्पीकर्स ने भी ऐसी ही बातें कहीं, और जोर दिया कि वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे हमें कुदरती चीजों की रक्षा करने, क्लाइमेट चेंज से लडने और बायोडायवर्सिटी को बचाने की इंसानियत की मिली-जुली जम़्मेदारी की याद दिलाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनवायरनमेंट बचाने के लिए सिर्फ.एक दिन मनाने के बजाय पूरे साल लगातार काम करने की जरूरत है।डिब्रूगढ.प्रेस क्लब ने बुलाए गए मेहमानों को पारंपरिक असमिया गमछा और यादगार चीजें.देकर सम्मानित किया। प्रोग्राम को डिब्रूगढ.प्रेस क्लब के जनरल सेक्रेटरी रिपुंजॉय दास ने होस्ट किया।इवेंट का अंत हिस्सा लेने वालों के एनवायरनमेंट बचाने, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और असम की रिच कुदरती विरासत को बचाने की दिशा में काम करने के वादे के साथ हुआ।पौधे लगाने की इस मुहिम में सिविल सोसाइटी, सिक्योरिटी फोर्स, सरकारी एजेंसियों और मीडिया के बीच मिलकर काम करने की मजबूत भावना दिखी, जिससे एनवायरनमेंट की जम़्मेदारी और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करने का एक मजबूत मैसेज मिला।

जोरहाट में वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर प्लांटेशन ड्राइव और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट लॉन्च की गई

जोरहाट (अर्णव शर्मा) ५ जून :: वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर, जोरहाट जिले में शुक्रवार को सस्टेनेबिलिटी, इकोलॉजिकल कंजर्वेशन और साइंटिफिक वेस्ट मैनेजमेंट को बढावा देने के मकसद से दो अहम एनवायरनमेंटल पहल की गई।जोरहाट डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ऑफिस के कैंपस में एक प्लांटेशन ड्राइव ऑर्गनाइज.की गई, जिसमें सिविल डिफेंस डिपार्टमेंट के अधिकारियों, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ऑफिस के कर्मचारियों और सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स ने एक्टिवली हिस्सा लिया। ऑफिस कैंपस में अलग-अलग देसी फल देने वाली प्रजातियों के करीब २० पौधे लगाए गए, जिससे एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन और ग्रीन डेवलपमेंट के लिए डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन का कमिटमेंट और मजबूत हुआ।इस पहल ने बायोडायवर्सिटी को बचाने की अहमियत पर जोर दिया और आने वाली पीढियों के लिए नेचर की सुरक्षा के लिए मिलकर जम़्मेदारी लेने को बढावा दिया।एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक और बडा कदम उठाते हुए, वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर टिटाबोर के तहत बागचोंग गांव पंचायत में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट (झथचण) को ऑफिशियली जनता को डेडिकेट किया गया। यह फैसिलिटी असम के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत, टिटाबोर डेवलपमेंट ब्लॉक और सेंट्रल जोरहाट डेवलपमेंट ब्लॉक की मिली-जुली कोशिशों से बनाई गई है।
इस प्रोजेक्ट का मकसद प्लास्टिक कचरे की बढती चुनौती से निपटना और जोरहाट जिले को ज़्यादा साफ, हरा-भरा और प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त बनाने में मदद करना है। उम्मीद है कि नई यूनिट इस इलाके के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में पैदा होने वाले प्लास्टिक कचरे के साइंटिफिक कलेक्शन, प्रोसेसिंग, डिस्पोजल और रीसाइक्लिंग में अहम भूमिका निभाएगी।इस फैसिलिटी का उद्घाटन जोरहाट डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर जय शिवानी ने किया, जिन्होंने पर्यावरण बचाने और जम़्मेदारी से कचरा मैनेजमेंट में कम्युनिटी की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर बोलते हुए, अधिकारियों ने लोगों से प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम करने और साफ.और सस्टेनेबल पर्यावरण बनाए रखने में सक्रिय रूप से मदद करने की अपील की। उद्घाटन समारोह में जोरहाट जलि़ा परिषद के चीफ.एग्जीक्यूटिव ऑफसि़र मनोज कुमार बरुआ, जलि़ा परिषद प्रेसिडेंट सुरजीत सैकिया, टिटाबोर आंचलिक पंचायत प्रेसिडेंट मोनदीप तुंगुंगिया, सेंट्रल जोरहाट आंचलिक पंचायत प्रेसिडेंट जिनामोनी नियोग बोरा, ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफसि़र, सरकारी अधिकारी, जाने-माने मेहमान, पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय लोग शामिल हुए। ये दोनों पहल जलि़ा प्रशासन की पर्यावरण जागरूकता को मजबूत करने और समुदाय द्वारा चलाए जा रहे कामों के जरिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढावा देने की लगातार कोशिशों को दिखाती हैं।

तिनसुकिया में जनगणना २०२७ के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग का दूसरा दिन सफलतापूर्वक हुआ

तिनसुकिया (अर्णव शर्मा) ५ जून :: जनगणना २०२७ (हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस) के पहले फेज.के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम का दूसरा दिन शुक्रवार को तिनसुकिया के गेलापुखुरी में कन्वेंशन सेंटर में सफलतापूर्वक हुआ। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम, जो ४ जून को शुरू हुआ था, डायरेक्टरेट ऑफ.सेंसस ऑपरेशंस, असम द्वारा अधिकारियों को आने वाले देश भर में होने वाले जनगणना के काम के लिए तैयार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।जनगणना २०२७ एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है क्योंकि भारत की जनसंख्या जनगणना दो फेज.में पूरी तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए की जाएगी। असम में, पहला फेज.जिसमें हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस शामिल है, १७ अगस्त से १५ सितंबर, २०२६ तक किया जाएगा। इससे पहले, निवासियों को २ अगस्त से १६ अगस्त, २०२६ तक एक डेडिकेटेड ऑनलाइन पोर्टल के जरिए खुद से गिनती करने का मौका मिलेगा। दूसरा फेज, पॉपुलेशन एन्यूमरेशन (PE), फरवरी २०२७ में होने वाला है।ट्रेनिंग सेशन को डायरेक्टरेट ऑफ.सेंसस ऑपरेशंस, असम के असिस्टेंट डायरेक्टर (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) और सुपरवाइजिंग ऑफिसर प्रशांत कुमार ने एडवाइजर अर्जुन तालुकदार के साथ लीड किया। उन्होंने सेंसस २०२७ के अलग-अलग पहलुओं पर डिटेल में गाइडेंस दी, जिसमें सेंसस प्रोसेस में शामिल अधिकारियों की भूमिका और जम़्मेदारियाँ शामिल थीं। पार्टिसिपेंट्स में एडिशनल प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर, डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर, एडिशनल और सब-डिविजनल सेंसस ऑफिसर, चार्ज ऑफिसर, एडिशनल चार्ज ऑफिसर और असिस्टेंट चार्ज ऑफिसर शामिल थे।लोगों को संबोधित करते हुए, तिनसुकिया डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर सुमित सत्तावन ने वेलफेयर-ओरिएंटेड सरकारी स्कीम बनाने में सेंसस डेटा की अहम भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सेंसस की जानकारी एजुकेशन, हेल्थकेयर, फूड सिक्योरिटी, हाउसिंग और रोजग़ार जैसे सेक्टर में पॉलिसी बनाने की नींव का काम करती है।सत्तावन ने कहा, ङ्कएक सही, सटीक और पूरी सेंसस बैलेंस्ड डेवलपमेंट, रिसोर्स के बराबर बंटवारे और यह पक्का करने के लिए जरूरी है कि सरकारी फा़यदे हर नागरिक तक पहुँचें।ङ्क उन्होंने सेंसस के काम में शामिल सभी अधिकारियों से अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाने की अपील की। इस प्रोग्राम में मौजूद लोगों में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर पंकज कुमार नागबंशी; सब-डिविजनल कमिश्नर और सब-डिविजनल सेंसस ऑफिसर फेलिक वी.एल.एच. हरंगचाल (डिगबोई), जगमीर रोंगफापी (मकुम), नुजहत नसरीन (डूमडूमा), राहुल डोले (मार्गेरिटा), और सैयद वासबीर सुभानी (सादिया); असिस्टेंट कमिश्नर और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट सेंसस ऑफिसर मधुरिमा दिहिंगिया; डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ऑफिसर शंकर दास भुयान; साथ ही सर्कल ऑफिसर, चार्ज सेंसस ऑफिसर, एडिशनल चार्ज सेंसस ऑफिसर और डिप्टी सेंसस ऑफिसर शामिल थे। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरे जिले में डिजिटल तरीके से जनगणना २०२७ को सफलतापूर्वक लागू करने की तैयारी का हिस्सा है।

सिलचर माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा आयोजित ' पहचानो पौधा -घर ले जाओ ' प्रतियोगिता

प्रे.सं. सिलचर में ५ जुन २०२६ : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'पहचानो पौधा -घर ले जाओ' नामक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता आयोजित की गई।कार्यक्रम में मंडल की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न पौधों की जानकारी बढाना तथा लोगों को अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न पौधों की पहचान करनी थी तथा सही उत्तर देने वालों को पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किए गए।प्रतियोगिता में सभी सदस्यों ने बहुत रूचि दिखाई एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता से सभी महिलाएं अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित दिखाई दीं। सभी ने इस अनोखी पहल की सराहना की।तियोगिता में प्रथम स्थान पर माधवी लखोटिया रही। द्वितीय स्थान पर उमा राठी, उर्मिला काबरा, एवं रमा तुसनियाल रही। सभी विजेताओं को पौधे देकर सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम की संयोजिका सूधा मुंद्रा, मुदिता राठी, एवं ज्योति राठी रही, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रयास से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।अंत में सभी

सदस्यों ने अधिक से अधिक पेड.-पौधे लगाने एवं पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

भारत में इबोला का दूसरा संदिग्ध मामला, हैदराबाद के गांधी अस्पताल में भती सूडानी छात्र,स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

हैदराबाद.(एर्जे) ५ जून : भारत में इबोला वायरस को लेकर सतर्कता के बीच एक और संदिग्ध मामला सामने आया है. हैदराबाद के सरकारी गांधी अस्पताल में बुखार से पीडति एक सूडानी छात्र को भती कराया गया है. इसके साथ ही अस्पताल में इबोला संक्रमण की आशंका के चलते भती किए गए मरीजों की संख्या दो हो गई है. स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार दोनों मरीजों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है और फिलहाल किसी में भी इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है.अधिकारियों ने बताया कि बीस वर्ष की आयु वर्ग का यह सूडानी छात्र गुरुवार शाम एक निजी अस्पताल से रेफर होकर गांधी अस्पताल पहुंचा था. छात्र को बुखार की शिकायत थी, जिसके बाद उसे विशेष निगरानी में रखा गया. हालांकि शुक्रवार सुबह तक उसकी स्थिति में सुधार देखा गया और उसे बुखार नहीं था. एहतियात के तौर पर उसके साथ आए सहयोगी को भी घर पर पृथकवास (होम आइसोलेशन) में रहने की सलाह दी गई है. इससे पहले गुरुवार को ही एक अन्य ३५ वषीय सूडानी नागरिक को भी इबोला संक्रमण की आशंका के चलते गांधी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भती कराया गया था. वह व्यक्ति घुटने के ऑपरेशन के लिए हैदराबाद आया था. राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान उसमें बुखार के लक्षण पाए गए थे, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया. स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह तक वह भी बुखारमुक्त और पूरी तरह लक्षणरहित पाया गया.दोनों मरीजों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. फिलहाल स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मामलों को संदिग्ध मानते हुए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए हैं. अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की लगातार निगरानी की जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं.

इबोला को लेकर बढती वैश्विक चिंता के बीच तेलंगाना सरकार ने गांधी अस्पताल में १० बिस्तरों वाला विशेष आइसोलेशन वार्ड स्थापित किया है. यह वार्ड संभावित इबोला मरीजों के उपचार और निगरानी के लिए तैयार किया गया है. स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा कर्मियों को भी विशेष प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए हैं.पिछले महीने हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भी एक विशेष परामर्श जारी किया था. इसमें बताया गया था कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष निगरानी की जा रही है. हवाई अड्डे पर स्वास्थ्य जांच, थर्मल स्क्रीनिंग और आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाया गया है.यह परामर्श विशेष रूप से युगांडा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और आसपास के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से आने या वहां से होकर यात्रा करने वाले यात्रियों पर लागू किया गया है. ऐसे यात्रियों को विमान से उतरने से पहले स्व-घोषणा प्रपत्र (सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म) भरना पड.सकता है, ताकि उनकी यात्रा और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का रिकॉर्ड रखा जा सके. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इबोला एक गंभीर और कई मामलों में जानलेवा वायरल बीमारी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार यह रोग संक्रमित जंगली जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है. बाद में यह संक्रमित व्यक्ति के रक्त, शारीरिक तरल पदार्थों, अंगों या दूषित वस्तुओं के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है. संक्रमित बिस्तर, कपडे. और अन्य वस्तुएं भी संक्रमण फैलाने का माध्यम बन सकती हैं.भारत में अब तक इबोला का कोई बडा प्रकोप सामने नहीं आया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और वैश्विक संपर्कों के कारण स्वास्थ्य एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को लेकर सतर्क हैं. स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति हाल ही में इबोला प्रभावित देशों की यात्रा करके लौटा हो और उसमें बुखार या अन्य लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करे.फिलहाल दोनों सूडानी नागरिकों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह सामान्य वायरल संक्रमण है या इबोला से जुडा कोई मामला.

साम्राज्यवादी आक्रामक मानसिकता के बजाय वेदवाणी से चले दुनिया: सनातनी प्रमुख

चित्र सौजन्य: शिप्रा दास

रत्नज्योति दत्त नई दिल्ली: ५ जून : विश्व शांति सुनिश्चित करने के लिए लोकतंत्र में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए आक्रामक रुख को पूरी तरह मिटाना होगा। हाल ही में ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाए गए कदमों की आलोचना करते हुए देश के एक प्रमुख सनातनी समुदाय के वरिष्ठ धर्मगुरु ने यह विचार व्यक्त किए हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान की असहज वैश्विक परिस्थितियों के कारण दुनिया भर के आम लोगों को एक असहनीय आर्थिक बोझ उठाना पड.रहा है।उल्लेखनीय है कि गत २८ फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले के लिए अमेरिका-इजरायल संयुक्त सैन्य बल को हरी झंडी दी थी, जिसके परिणामस्वरूप मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) के इस टकराव ने वैश्विक व्यापार में खनिज तेल (कूड ऑयल) की आपूर्ति के क्षेत्र में एक गंभीर वैश्विक अस्थिरता पैदा कर दी है।जादवपुर स्थित 'श्री श्री कैवल्यधाम' के महाराज कालीपद भट्टाचार्य ने कहा, ङ्गमैं ऐसी किसी भी मानसिकता का तीव्र विरोध करता हूँ जो आक्रामकता और औपनिवेशिक दृष्टिकोण को बढावा देती है।उन्होंने आगे कहा कि जब मानसिकता में आक्रामकता स्थान ले लेती है, तो समाज में उसका क्या परिणाम हो सकता है, इसे हाल ही में मध्य पूर्व में अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के युद्ध के माध्यम से पूरी दुनिया ने हमारे जीवनकाल में एक बार फिर प्रत्यक्ष देखा है।महाराज ने बताया कि यदि आम इंसान भागवत या गीता जैसे पवित्र ग्रंथों की शिक्षाओं के संपर्क में आए, तो वे जीवन में किसी भी आक्रामक दृष्टिकोण और मानसिकता को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे। ङ्गमन को शांत रखने के लिए पवित्र नाम का जाप करना भी अत्यंत सहायक होता है,ङ्ग उन्होंने कहा। उनके अनुसार, एक आध्यात्मिक गुरु द्वारा निर्देशित उच्च आदर्शों से जुडे.रहना जीवन में बेहद महत्वपूर्ण है। महाराज ने उल्लेख किया,एक आध्यात्मिक शिक्षक और एक सामान्य शिक्षक के बीच एक सूक्ष्म अंतर होता है।ङ्ग उन्होंने कहा कि एक आध्यात्मिक शिक्षक अपने शिष्य को दिव्य चेतना की ओर ले जाकर एक शांत मन का स्वामी बनने में सहायता करता है। दूसरी ओर, एक शिक्षक अपने छात्र को जीवन में, विशेष रूप से व्यावसायिक जीवन में स्थापित होने के लिए सशक्त बनाता है।महाराज का मानना है कि व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में शांति बनाए रखने के लिए आध्यात्मिक गुरु के चरणों में खुद को पूरी तरह समर्पित करना होगा। हाल ही में, महाराज दिल्ली के तिगडी आश्रम में एक दीक्षा समारोह के सिलसिले में राजधानी के अल्पकालिक प्रवास पर थे।श्री श्री राम ठाकुर के आदर्शों का प्रचार करने वाले इस आध्यात्मिक संगठन के सातवें उत्तराधिकारी के रूप में, कालीपद भट्टाचार्य महाराज उत्तर-पूवी भारत सहित विभिन्न स्थानों पर अपने गुरु की दिव्य वाणी का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।साक्षात्कार (इंटरव्यू) के दौरान महाराज ने यह विचार व्यक्त किया कि श्री श्री ठाकुर के अपने हाथों से लिखे गए पत्रों का तीन खंडों का पुस्तक संग्रह 'वेदवाणी', वर्तमान समय में विश्व के लोगों का मार्गदर्शन करने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित क्रांति का संकल्प हाइलाकांदी में १.३०लाख पौधे रोपने का लक्ष्य

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ५ जून: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को हाइलाकांदी जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा हरित क्षेत्र के विस्तार के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विकास आयुक्त नरसिंग बे तथा जिला वन अधिकारी अखिल दत्ता उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के फलदार औषधीय एवं वन्य पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिकाधिक वृक्ष लगाने के साथ साथ उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।अपने संबोधन में जिला विकास आयुक्त नरसिंग बे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और बढता प्रदूषण आज पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे समय में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी सुनिश्चित करने हेतु वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।जिला वन अधिकारी अखिल दत्ता ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस वर्ष पूरे हाइलाकांदी जिले में लगभग १ लाख ३० हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों सरकारी कार्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही हरित एवं सतत भविष्य का निर्माण संभव है।वक्ताओं ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने मिट्टी के कटाव को रोकने तथा जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर हाइलाकांदी को एक हरित स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल जिला बनाने का आह्वान किया।

बायोकॉन-२०२६ का सफल समापन: सतत भविष्य के लिए विज्ञान और नवाचार की भूमिका पर मंथन

गुवाहाटी, ५ जून: गौहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय ५वें बायोटिक साइंस कांग्रेस (BioSCon-2026) एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। ङ्गस्वस्थ एवं समृद्ध पृथ्वी के लिए विज्ञान और नवाचार का प्रभावी उपयोग: अगली पीढी की सतततांङ्ग विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने भाग लेकर सतत विकास से जुडे.विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।इस सम्मेलन का आयोजन सोसायटी फॉर बायोटिक एंड एनवायरनमेंटल रिसर्च (डइएठ), त्रिपुरा तथा Gauhati University द्वारा संयुक्त रूप से ४ और ५ जून को किया गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, कृषि एवं मत्स्यिकी विश्वविद्यालयों तथा पर्यावरणीय संगठनों से आए १४५ प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।उद्घाटन सत्र में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता एवं सम्मेलन के मुख्य संयोजक Prof. Kumananda Tayung ने स्वागत भाषण देते हुए वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए सहयोगात्मक वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति Prof. Nani Gopal Mahanta, आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक Dr. K. M. Bujarbaruah, आईसीएआर-एनआरसी ऑन पिग, रानी के निदेशक Dr. V. K. Gupta सहित कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।वक्ताओं ने अपने संबोधनों में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, कृषि लचीलापन और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अख), प्रिसिजन एग्रीकल्चर, जीनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, रिमोट सेंसिंग, क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों जैसी आधुनिक तकनीकों को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण बताया। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण ङ्गफिनफिश ब्रीडिंग एंड हैचरी मैनेजमेंटङ्ग पुस्तक का विमोचन रहा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विकसित एक अभिनव बायोकम्पोस्ट तकनीक का भी लोकार्पण किया गया, जो जैविक अपशिष्ट प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। तकनीकी सत्रों में जैव विविधता संरक्षण, जलवायु-सहिष्णु कृषि, सतत मत्स्यिकी, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, जीनोमिक्स, वन्यजीव संरक्षण, ङ्गवन हेल्थङ्ग अवधारणा, खाद्य सुरक्षा तथा सूक्ष्मजीवी जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर शोध पत्र और पोस्टर प्रस्तुत किए गए। शोधकर्ताओं ने कार्बन अवशोषण, जैविक कीट नियंत्रण, स्वदेशी आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु अनुकूलन तकनीकों से जुडे.अपने नवीन शोध साझा किए। सम्मेलन के दौरान विभिन्न वैज्ञानिकों को अनुसंधान, शिक्षा और सामाजिक विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए एसबीईआर फेलोशिप तथा अन्य वैज्ञानिक उत्कृष्टता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। युवा वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार भी प्रदान किए गए। समापन सत्र में Dr. Niranjan Kalita मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि Dr. Jayanta Deka ने समापन व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान, अंतःविषयक सहयोग और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन की कार्यवाही प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव Dr. Ardhendu Chakraborty ने कहा कि इस आयोजन ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच प्रभावी वैज्ञानिक संवाद को बढावा दिया तथा भविष्य के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए हैं।अपने अध्यक्षीय संबोधन में एसबीईआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऊ. झीरपक्षळल उहरङ्गीरर्लेीू ने कहा कि वैज्ञानिक नवाचारों का अंतिम उद्देश्य लोगों की आजीविका, पर्यावरणीय गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य में सुधार लाना होना चाहिए। उन्होंने युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और अंतःविषयक ज्ञान-विनिमय के लिए ऐसे मंचों की निरंतर आवश्यकता पर बल दिया।सम्मेलन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए विज्ञान एवं नवाचार आधारित समाधानों को आगे बढाने तथा सहयोगात्मक अनुसंधान को मजबूत करने का संकल्प लिया।

तिनसुकिया-डिब्रूगढ.जिला में ४८ घंटे के बंद के पहले दिन का दुमदुमा में व्यापक असर , जनजीवन रहा प्रभावित।

दुमदुमा, प्रेरणा भारती ५ जून :-- मोरान एवं मटक जनगोष्ठी के विधायकों को राज्य मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में आहूत ४८ घंटे के तिनसुकिया एवं डिब्रूगढ.जिला बंद के पहले दिन आज दुमदुमा क्षेत्र में व्यापक प्रभाव देखने को मिला। बंद के दौरान दुमदुमा अंचल लगभग पूरी तरह बंद रहा तथा बाजार , व्यावसायिक प्रतिष्ठान और विभिन्न संस्थान प्रभावित रहे।बंद का आह्वान मोरान और मटक संगठनों द्वारा किया गया है। संगठनों का आरोप है कि राज्य सरकार उनकी जनगोष्ठियों के साथ उपेक्षापूर्ण रवैया अपना रही है तथा लंबे समय से उठाई जा रही उनकी उचित मांगों को नजर अंदाज कर रही है । उनका कहना है कि दोनों समुदायों के निर्वाचित विधायकों को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं देकर सरकार ने उनकी राजनीतिक भागीदारी और जनभावनाओं की अनदेखी की है। संगठन के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन कर सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की । बंद के समर्थन में अधिकांश दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। सडकों पर वाहनों की आवाजाही भी सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रही। हालांकि आवश्यक सेवाएं जारी रहीं और प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर बधाई हुई है।मोरान और मटक संगठनों के नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की जाती, तब तक वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन जारी रखेंगे। वहीं, बंद के कारण आम लोगों को दैनिक कार्यों में कुछ असुविधाओं का सामना करना पडा।प्रशासन ने क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की थी। फिलहाल दुमदुमा सहित पूरे क्षेत्र में स्थिति शांतिपूर्ण बताई जा रही है।

एसबीआई शाखा और जवाहर नवोदय विद्यालय की संयुक्त पहल, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गौतम सरकार, रामकृष्णनगर, ५ जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रामकृष्णनगर शाखा एवं जवाहर नवोदय विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर कुल ५० पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण में जवाहर नवोदय विद्यालय के रसायन विभाग की प्रमुख देवश्री देव, एसबीआई रामकृष्णनगर शाखा के प्रबंधक नीलांजन आचार्य, रामकृष्णनगर नगरपालिका की अध्यक्ष प्रतिमा नाथ तथा विद्यालय एवं बैंक के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।इस अवसर पर देवश्री देव ने कहा कि स्वस्थ और संतुलित पर्यावरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। बढते प्रदूषण और हानिकारक गैसों से बचाव के लिए वृक्षों का संरक्षण समय की मांग है।नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा नाथ ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्षों की कटाई की तुलना में नए पौधों का रोपण कम हो रहा है, जिससे पर्यावरणीय असंतुलन बढ.रहा है। उन्होंने लोगों से अपने घरों और आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।एसबीआई शाखा प्रबंधक नीलांजन आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'मां के नाम एक पेड' अभियान से प्रेरित होकर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रामकृष्णनगर शाखा द्वारा यह पहल की गई है और भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुडे.ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे।

कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के अधिकारी राजीव चक्रवती, निशांत, विजय कुमार राठौर, श्रीकांत देव, राजू गोयाला, अमित नाथ, जयजीत नाथ, शुभम देव, राजू रजक, निरेन दास, चम्पा लाल कुर्मी तथा एसबीआई के सहायक प्रबंधक कौशिक घोष और मिलन नाथ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।फोटो कैप्शन: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रामकृष्णनगर के जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में पौधारोपण करते एसबीआई एवं विद्यालय के अधिकारी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दुमदुमा महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

दुमदुमा, प्रेरणा भारती ५ जून: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दुमदुमा महाविद्यालय परिसर में दुमदुमा महाविद्यालय, वीर राघव मोरान आदर्श महाविद्यालय तथा वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनसीसी एवं एनएसएस महाविद्यालय युनिट पर्यावरण गतिविधी तिनसुकिया जिला के सहयोग से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः महाविद्यालय परिसर में दुमदुमा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कमलेश्वर कलिता तथा अध्यापकों तथा छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रजातियों के फल मुल औषधि पौधों को रोपन किया तथा अध्यापकों तथा छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों फल मुल औषधियों वृक्षों का बीज वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढाना तथा वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर दुमदुमा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलेश्वर कलिता ने अपने संबोधन में कहा कि केवल विश्व पर्यावरण दिवस मनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी। कार्यक्रम में दुमदुमा सम -जिला सह आयुक्त सुदिप गोगोई दुमदुमा मंडल वन अधिकारी पुष्पधर बरगोहाई, वीर राघव मोरान आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमर ज्योति सैइकिया, दुमदुमा वन अधिकारी विजय पात्र सेतिया, दुमदुमा महाविद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष प्रकाश दत्त, अध्यापक डॉ. अंजन सैइकिया, डॉ. जलिल चौधरी, प्रणिता सैंदिकै सहित दोनों महाविद्यालयों तथा विभिन्न स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी ने महाविद्यालय प्रांगण में पचास विभिन्न फल छायादार वृक्षों का वृक्षारोपण किया।विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के विजेताओं को बाद में महाविद्यालय सभागार में सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

मारघेरिटा मियूनिसपल बोर्ड और शिशु भवन सिनियर सेकेंडरी के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

मारघेरिटा ५ जून। प्रे,भा, संवाददाता।आज ५जून को मारघेरिटा मियूनिसपल बोर्ड और शिशु भवन सिनियर सेकेंडरी स्कूल के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मारघेरिटा मियूनिसपल बोर्ड के अधिकारी सहित अन्य कार्यकर्ताओ ने आज शिशु भवन सिनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस सम्बंधित एक चित्राकन प्रतियोगिता करवाई। इन चित्राकन प्रतियोगिता में प्रथम कामेशवर हाजाम, द्वितीय सिमीरन खातून और तृतीय पुरस्कार दिबिया बालू को दिया गया।इसी बीच मारघेरिटा मियूनिसपल बोर्ड के फिडर मैनेजर श्री तनु सोनोवाल और शिशु भवन सिनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य श्री भुनेशवर प्रसाद जी ने स्कूली बच्चों को विश्व पर्यावरण दिवस सम्बंधित विषयो पर चर्चा करते हुए कहे कि आज के दिन पुरे विश्व में विश्व पर्यावरण दिवस रूप में पालन करते है और पुरे विश्व में विश्व पर्यावरण दिवस [redacted] वृक्ष लगाकर देश को हरा भरा करते हैं जिससे मनुष् [redacted] ायु मिल सके। इस विश्व पर्यावरण दिवस के मौके प [redacted] मिनु सोनार, गायत्री देवी,बबली सहित अन्य गणमा [redacted] कि तरह मारघेरिटा अंचलो में सरकारी और गैर [redacted] न्य शिक्षा अनुष्ठानो में भी विश्व पर्यावरण दिवस [redacted]

बीटीसी मार्केट सेटलमें [redacted] ी बाजारों को फिर से खो [redacted] र्चा

कोकराझार, ५ जून: बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र [redacted] और मेलों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लि [redacted] ढउ) की 'मार्केट सेटलमेंट कमेटी' की एक महत्वपूर्ण [redacted] ठक कोकराझार स्थित बीटीसी सचिवालय में संपन्न हु [redacted] ी के कार्यकारी सदस्य (एच) फ्रेश मुसाहारी ने की। इ [redacted] ढअ) और समिति के अध्यक्ष दानेश्वर गोयारी, बाजार [redacted] ारी, समिति के सदस्य और बीटीसी क्षेत्र के सभी खंड [redacted] स्थित रहे। ?मवेशी बाजारों पर निर्णय: बैठक के दौरान [redacted] जूदा मवेशी बाजारों को फिर से खोलने और नए मवेशी [redacted] की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की गई। ?आर्थिक विव [redacted] रों के प्रभावी प्रबंधन, विनियमन और उनके विकास के वि [redacted] या। इसका उद्देश्य क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढा [redacted] ठक में व्यापारियों, किसानों और आम जनता को बाजा [redacted] लब्ध कराने पर जोर दिया गया, ताकि स्थानीय अ [redacted] जा सके। ?अधिकारियों ने कहा कि इन बाजारों के सुचा [redacted] वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर किसानों और पशुपा [redacted]

नारियल का तेल बालों के लिए है सबसे बेहतर

बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से बढ़कर कुछ और नहीं है क्योंकि इसमें कई सारे ऐसे प्राकृतिक तत्व हैं, जो बालों का बखूबी ख्याल रखते हैं। बालों में नारियल तेल की मालिश के कई ऐसे लाभ हैं, जिनसे हम अंजान हैं, तो आज हम डर्मेटोलॉजिस्ट और हेयर व वेलनेस एक्सपर्ट अपर्णा संथानम के सुझाए गए कुछ ऐसे ही फायदों की बात करेंगे, जो नारियल के तेल को सर्वोत्तम बनाता है।

सबसे बेहतरीन हेयर प्रोटेक्टर

नारियल तेल बालों की सुरक्षा के लिए सबसे अच्छा है। धूप और गर्म वातावरण में रहने के चलते बालों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। धूप से बालों में पर्याप्त नमी की भी कमी होने लगती है, बाल रूखे हो जाते हैं, हालांकि नारियल के तेल से इनसे बचा जा सकता है। रिसर्चगेट के एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि नारियल तेल के मालिश से ये रिसकर बालों की तह तक पहुंच जाते हैं और सुरक्षा की एक परत बना लेते हैं, जो बालों में नमीं को बरकरार रखता है। इसमें एसपीएफ सहित कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं, जो बालों को धूप से होने वाले नुकसान से बचाते हैं और साथ में कई तरह के केमिकल से भी बालों की रक्षा करते हैं।

अंदर से बालों की सेहत की सुरक्षा

बालों की देखभाल के लिए बाजार में कई तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स हैं, जिनका लंबे समय तक इस्तेमाल से बालों को नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल तेल में रिस-रिसकर बालों की तह तक पहुंचने की क्षमता है इसलिए यह हेयर फॉलिसल्स को पुर्नजीवित कर बालों की सेहत को अंदर से तंदरुस्त बनाता है। इसमें मौजूद फैटी एसिडस और विटामिन्स बालों में नमीं को बनाए रखते हैं, जो रूखेपन से निजात दिलाने में कारगर है।

स्कैल्प का रखे ख्याल

अधिक गर्मी और नमीं वाले वातारण से हमारे बालों की जड़ों को काफी नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल के तेल में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं इसलिए यह स्कैल्प का बेहतर तरीके से ख्याल रखने और इसे तमाम समस्याओं से निजात दिलाने में कारगर है जैसे कि डैंड्रफ, ड्रायनेस, कोई इंफेक्शन इत्यादि। यह स्कैल्प पर जमने वाले सीबम को भी हटाता है, जो बालों और जड़ों को तैलीय बनाने का मुख्य कारक है।

बेजान बालों से मिले छुटकारा

शैम्पू सहित बालों की देखभाल के लिए बने कई उत्पादों में मौजूद केमिकल से आखिरकार बालों को नुकसान ही पहुंचता है क्योंकि इनमें केमिकल्स की अधिकता होती है। इनके अधिक इस्तेमाल में बालों में प्राकृतिक नमीं की कमी होने लगती है और ये बेजान व उलझे हुए नजर आते हैं और ऐसा खासकर नमीं वाले वातावरणों में अधिक होता है। इससे निपटने के लिए धूले हुए हल्के भींगे बालों में नारियल तेल की कुछ बूंदे डालें, ऐसा करने से नमीं बालों में ही लॉक होकर रह जाता है और बाल मुलायम बन जाते हैं।

नारियल तेल है प्रकृति का और प्रकृति के लिए वरदान

नारियल तेल नैचुरल है, यह किफायती है, आसानी से मिल जाते हैं और बालों की कई समस्याओं के समाधान में कारगर है। ऐसे में अनावश्यक महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स के स्थान पर इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे न केवल हमारे बालों को फायदा पहुंचेगा बल्कि पैसे की भी बचत होगी और पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा।

दोपहर की झपकी आपकी कामकाजी याददाश्त को बढ़ा सकती है

एक नियमित दोपहर की झपकी लेने से आपके मस्तिष्क को तेज रखा जा सकता है, क्योंकि एक नए अध्ययन से पता चलता है कि दोपहर की झपकी लेना बेहतर मानसिक चपलता से जुड़ा है। चीन में शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय के वी ली शोधकर्ताओं का सुझाव है कि दोपहर की झपकी बेहतर स्थानीय जागरूकता, मौखिक प्रवाह और काम करने की स्मृति से जुड़ी हुई है। जनरल साइकियाट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने कम से कम 60 वर्ष की आयु के 2,214 स्वस्थ लोगों को शामिल किया और चीन के आसपास के कई बड़े शहरों के निवासियों को शामिल किया। कुल मिलाकर, 1,534 ने नियमित दोपहर की झपकी ली, जबकि 680 ने नहीं। सभी प्रतिभागियों को मनोभ्रंश की जांच के लिए मिनी मेंटल स्टेट एग्जाम में स्वास्थ्य जांच और संज्ञानात्मक आकलन की एक श्रृंखला से गुजरना पड़ा। दोनों समूहों में रात के समय की नींद की औसत लंबाई लगभग 65 घंटे थी। दोपहर की झपकी को कम से कम लगातार पांच मिनट की नींद की अवधि के रूप में परिभाषित किया गया था, लेकिन 2 घंटे से अधिक नहीं। डिमेंशिया स्क्रीनिंग परीक्षणों में 30 आइटम शामिल थे जो संज्ञानात्मक क्षमता के कई पहलुओं को मापते थे, और उच्च कार्य, जिसमें नेत्र संबंधी कौशल, कार्यशील मेमोरी, ध्यान अवधि, समस्या-समाधान, स्थानीय जागरूकता और मौखिक प्रवाह शामिल थे। यह एक अवलोकन अध्ययन है, और इसलिए इसका कारण स्थापित नहीं किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि झपकी की अवधि या समय के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, जो महत्वपूर्ण हो सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि टिप्पणियों के लिए कुछ संभावित स्पष्टीकरण हैं।

मिश्री के मीठे फायदे

प्रसाद में मिश्री का एक खास महत्व होता है, वहीं मीठे पकवानों में भी अधिकतर लोग शकर की जगह मिश्री का इस्तेमाल करना बेहतर समझते हैं। मिश्री जहां मुंह में मिठास को बढ़ाती है, वहीं मिठास से भरपूर मिश्री में कई औषधीय गुण भी होते हैं। क्या आप जानते हैं इसके बेहतरीन सेहतमंद गुणों के बारे में? यदि नहीं तो यह लेख आपके लिए है। अधिक वजन यदि आपको परेशान कर रहा है, तो मिश्री का उपयोग आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्री को सौंफ के साथ बराबर मात्रा में पीसकर तैयार पावडर को तैयार कर लें। अब इस पावडर का नियमित इस्तेमाल करें। इससे वजन बढ़ने जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

यदि पाचन प्रक्रिया संबंधी समस्या से परेशान हैं तो मिश्री का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिला सकता है। खाना खाने के बाद मिश्री और सौंफ के सेवन से खाना हजम होने में सहायता मिलती है और पाचन प्रक्रिया सही रहती है।

मिश्री मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह तनाव को दूर करने का काम करती है, साथ ही याददाश्त को सुधारने में सहायक साबित होती है। इसका सेवन आप गर्म दूध के साथ कर सकते हैं। मिश्री के नियमित सेवन से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। इसका यदि खाने के बाद सेवन किया जाए तो यह आंखों की रोशनी को बेहतर करती है। गले की खराश से परेशान हैं तो आपको मिश्री का सेवन करना चाहिए। यह गले में होने वाली खराश से राहत दिलाती है। मुंह से दुर्गंध की समस्या से परेशान हैं, तो रोज खाना खाने के बाद सौंफ और मिश्री का सेवन करें। ऐसा करने से मुंह से आ रही दुर्गंध खत्म हो जाती है।

फ्रिज में रखें आलू खाने से हो सकते हैं कैंसर के शिकार

आम तौर पर खाद्य पदार्थों को ज्यादा समय तक ताजा और सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में रखा जाता है, लेकिन अगर यह चीजें सुरक्षित रहने की बजाए खराब या हानिकारक हो जाए तब आप क्या करेंगे?

जी हां, यह बात अजीब नहीं है, बल्कि ऐसा होता है। कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें फ्रिज में रखना सुरक्षित नहीं होता और यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है। आलू भी उन्हीं में से एक है। ये बात उन लोगों के लिए और भी चौंकाने वाली हो सकती है जो फ्रेंच फ्राइज या तले हुए आलू खाना पसंद करते हैं। जी हां, अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो आलू को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में डालकर रखते हैं, तो आप गलत कर रहे हैं। आलू को फ्रिज में रखना खतरनाक हो सकता है। दरअसल आलू में स्टार्च मौजूद होता है और जब आप आलू को फ्रिज में रखते हैं तो फ्रिज का ठंडा तापमान आलू में मौजूद स्टार्च को शुगर में बदल देता है। यह शुगर खतरनाक केमिकल में तब्दील हो जाती है और इसका सेवन कई तरह के कैंसर का कारण बन सकता है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि रिसर्च में साबित हो चुका है। फूड स्टैंडर्ड एजेंसी द्वारा कराए गए एक शोध के अनुसार जब आप फ्रिज या फ्रीजर में रखे आलू को जब बेक या फ्राई करते हैं, तो आलू में मौजूद शुगर कन्टेंट इसमें मौजूद एमिनो ऐसिड ऐस्परैगिन के साथ मिलकर ऐक्राईलामाइड नाम का केमिकल उत्पन्न होने लगता है। इस केमिकल का इस्तेमाल पेपर बनाने, प्लास्टिक बनाने और यहां तक की कपड़ों को डाई करने में किया जाता है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है जो लोग उच्च तापमान पर पके स्टार्च वाले खाद्य पदार्थ का सेवन करते हैं उनमें अलग-अलग तरह के कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। आलू को अत्यधिक उच्च तापमान पर पकाना भी बचना हानिकारक होता है। इसके खतरे से बचने के लिए तो आलू को पकाने से पहले उसे छीलकर 15 से 30 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखा जा सकता है। ऐसा करने से आलू को पकाने के दौरान उसमें ऐक्राईलामाइड बनने की आशंका कम हो जाती है।

बच्चों के लिए निमोनिया हो सकता है जानलेवा

ठंड से पांच साल तक के बच्चों को निमोनिया का संक्रमण बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कहा है कि बच्चों का खास ख्याल रखें क्योंकि निमोनिया उनके लिए जानलेवा हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ठंड के मददेनजर शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया के संक्रमण से बचाव के लिए सावधानियों को अपनाना बेहद आवश्यक है। इस संबंध में भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर तिवारी ने एडवाईजरी जारी कर कहा कि निमोनिया जानलेवा हो सकता है। निमोनिया के उपचार में देरी बच्चे के लिये खतरनाक हो सकती है। बच्चों में बुखार, खांसी, श्वांस तेज चलना, पसली चलना अथवा पसली धसना निमोनिया के लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बच्चों को निमोनिया से उपचार के लिये तुरंत चिकित्सक अथवा निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में ले जायें। तिवारी के अनुसार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में शिशुओं को निमोनिया से बचाव में बेहद कारगर वैक्सीन पीसीवी भी नि:शुल्क उपलब्ध है। अपने शिशुओं को डेढ़, साढ़े तीन एवं नौ माह में निमोनिया से बचाव हेतु पीसीवी वैक्सीन की पूर्ण डोज नि:शुल्क अवश्य लगवायें। बच्चों को ठंड से बचाव के लिये अभिभावकों से आग्रह किया है कि बच्चों को दो-तीन परतों में गर्म कपड़े पहनायें। ठंडी हवा से बचाव के लिये शिशु के कान को ढंके, तलुओं को ठंडेपन से बचाव के लिये बच्चों को गर्म मोजे पहनायें।

खजूर के यह फायदे आपको कर देंगे हैरान

क्या आप जानते हैं, छुहारा और खजूर एक ही पेड़ से उत्पन्न होते हैं। दोनों की तासीर गर्म होती है और दोनों शरीर को मजबूत बनाने में विशेष भूमिका निभाते हैं। गर्म तासीर होने के कारण ही सर्दियों में तो इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। आइए, जानें छुहारे के अनूठे फायदे।

मासिक धर्म : सर्दी के दिनों में कई महिलाओं को मासिक धर्म से जुड़ी समसयाएं भी होती हैं, इसके लिए छुहारे फायदेमंद है। छुहारे खाने से मासिक धर्म खुलकर आता है और कमर दर्द में भी लाभ होता है।

बिस्तर पर पेशाब : छुहारे खाने से पेशाब का रोग दूर होता है। बुढ़ापे में पेशाब बार-बार आता हो तो दिन में दो छुहारे खाने से लाभ होगा। छुहारे वाला दूध भी लाभकारी है। यदि बच्चा बिस्तर पर पेशाब करता हो तो उसे भी रात को छुहारे वाला दूध पिलाएं। यह शक्ति पहुंचाते हैं।

रक्तचाप : कम रक्तचाप वाले रोगी 3-4 खजूर गर्म पानी में धोकर गुठली निकाल दें। इन्हें गाय के गर्म दूध के साथ उबाल लें। उबले हुए दूध को सुबह-शाम पीएं। कुछ ही दिनों में कम रक्तचाप से छुटकारा मिल जाएगा।

दांतों का गलना : छुहारे खाकर गर्म दूध पीने से कैल्शियम की कमी से होने वाले रोग, जैसे दांतों की कमजोरी, हड्डियों का गलना इत्यादि रूक जाते हैं।

कब्ज : सुबह-शाम तीन छुहारे खाकर बाद में गर्म पानी पीने से कब्ज दूर होती है। खजूर का अचार भोजन के साथ खाया जाए तो अजीर्ण रोग नहीं होता तथा मुंह का स्वाद भी ठीक रहता है। खजूर का अचार बनाने की विधि थोड़ी कठिन है, इसलिए बना-बनाया अचार ही ले लेना चाहिए।

मधुमेह : मधुमेह रोगी जिनके लिए मिठाई, चीनी इत्यादि वर्जित है, सीमित मात्रा में खजूर का हलवा इस्तेमाल कर सकते हैं। खजूर में वह अवगुण नहीं है, जो गन्ने वाली चीनी में पाए जाते हैं।

पुराने घाव : पुराने घावों के लिए खजूर की गुठली को जलाकर भस्म बना लें। घावों पर इस भस्म को लगाने से घाव भर जाते हैं।

आंखों के रोग : खजूर की गुठली का सुरमा आंखों में डालने से आंखों के रोग दूर होते हैं।

खांसी : छुहारे को घी में भूनकर दिन में 2-3 बार सेवन करने से खांसी, छींक, जुकाम और बलगम में राहत मिलती है।

जुएं : खजूर की गुठली को पानी में घिसकर सिर पर लगाने से सिर की जुएं मर जाती हैं।

काजोल मुखर्जी

ने बहन तनीषा को बेहद प्यारे अंदाज में किया बर्थडे विश, लिखा ये खास मैसेज

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी आज 3 मार्च को अपना 46 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस और परिवार के लोग उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। ऐसे में बड़ी बहन काजोल ने भी सोशल मीडिया पर तनीषा के साथ एक खास तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें बर्थडे विश किया है।

काजोल ने ऐसे किया तनीषा को विश

काजोल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर तनीषा मुखर्जी के साथ एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में एक्ट्रेस मुस्कुराते हुए कैमरा के सामने पोज देते हुए नजर आ रही हैं। फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, मेरी यंग सिस्टर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आपका जीवन सदैव प्रकाश, प्रेम और हंसी से भरा रहे। तुम्हें बेहद प्यार करती हूं।

तनीषा ने दिया ऐसा रिएक्शन

काजोल के इस पोस्ट पर तनीषा मुखर्जी ने भी अपना रिएक्शन दिया है। तनीषा ने कमेंट सेक्शन में कमेंट करते हुए लिखा, लव यू माय बेबी, फॉरएवर एंड एवर इसके अलावा तनीषा के कई फैंस ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। एक यूजर ने लिखा, हैप्पी बर्थडे तनीषा मैम। एक अन्य यूजर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तनीषा...अपना आकर्षण फैलाती रहो।

तनीषा का बॉलीवुड करियर

तनीषा हाल ही में 'झलक दिखला जा' के 11वें सीजन में भी नजर आई थीं। वहीं, उनके बॉलीवुड करियर की बात करें, तो तनीषा ने साल 2003 में फिल्म 'श्श' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'सरकार' और 'सरकार राज', 'तुम मिलो तो सही', 'एन्ना', 'कोड नेम अब्दुल' समेत कई फिल्म में काम किया।

'बिग बॉस 7' में लिया था हिस्सा

तनीषा मुखर्जी ने फिल्मों के अलावा 'बिग बॉस 7' में भी बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लिया था। इस सीजन को गौहर खान ने जीता था। वहीं, तनीषा शो की पहली रनरअप रही थीं।

इंडियन आइडल का वो विनर, जो रातों-रात बना था स्टार, अब गुमनामी में जी रहा ज़िंदगी

ग्लैमर की दुनिया में कब कौन सा एक्टर बड़ा स्टार बन जाए ये कोई नहीं जानता. अक्सर ये भी देखा गया है कि जो अचानक रातों-रात स्टार बनता है, उसे गुमनाम होने में भी देर नहीं लगती. रियलिटी शो के जरिए कई लोगों की किस्मत अचानक चमकी है. कुछ लोग इस चमक को बरकरार रख पाते हैं, तो कोई गुमनामी के अंधेरे में खो से जाते हैं. आज रियलिटी शो इंडियन आइडल सीजन 14 का फिनाले है. आज हम आपको इंडियन आइडल सीजन 1 के विनर अभिजीत सावंत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं.म्यूजिक रियलिटी शो इंडियन आइडल से अभिजीत सावंत को काफी फेम मिला था. इस शो को जीतने के बाद वह काफी चर्चा में छाए थे. 20 साल पहले इस शो की शुरुआत हुई थी. इस रियलिटी शो को आज भी घर-घर में देखा जाता है. लंबे वक्त से अभिजीत सावंत इंडस्ट्री से दूरी बनाए हुए है. उन्होंने कई साल पहले गाना छोड़ दिया था. लेकिन सिंगर अक्सर स्टेज शो करके लाखों कमाते रहते हैं.इंडियन आइडल सीजन 1 के बाद रातों-रात अभिजीत स्टार बन गए थे. शो के बाद उन्होंने अपनी एल्बम 'आप का अभिजीत' भी रिलीज की थी. जिसका एक गाना काफी हिट साबित हुआ था. गाने का नाम गाना 'मुहब्बतें लुटाऊंगा' था. उनकी दूसरी एल्बम का टाइटल ट्रैक 'जुनून' एक बड़ा हिट साबित हुआ. अभिजीत की शुरुआत काफी शानदार रही थी, लेकिन वह इंडस्ट्री में ज्यादा वक्त तक टिक नहीं पाए, लंबे वक्त से इंडस्ट्री में उनके नाम का कोई जिक्र नहीं है.

अभिजीत ने अपनी पत्नी शिल्पा के साथ डांस रियलिटी शो 'नच बलिए' (सीजन 4) में हिस्सा लिया था. उन्होंने एक्टिंग की दुनिया भी हाथ आजमाया था. फिल्म 'लॉटरी' में अभिजीत ने काम किया था और ये फिल्म सुपरफ्लॉप हुई थी. अभिजीत ने अपने बयानों के चलते भी सुर्खियां बटोरी थीं. उनका कहना था कि इन दिनों मेकर्स कंटेस्टेंट्स की ट्रैजिक स्टोरीज पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं. पिछले कई सालों में उनका एक भी नया गाना रिलीज नहीं हुआ है. लेकिन वह स्टेज से काफी प्यार करते हैं और स्टेज शोज आज भी करना पसंद करते हैं.

कौन हैं आशुतोष पवार? जिन्होंने 'बिहार की बेटी' मनीषा रानी को बना दिया झलक का विनर

अपने पसंदीदा स्टार के परफॉर्मेंस तो सभी एन्जॉय करते हैं, लेकिन इस परफॉर्मेंस के पीछे मेहनत होती है कोरियोग्राफर की. डांस रियलिटी शो में हर एक परफॉर्मेंस को कोरियोग्राफ करने के लिए कोरियोग्राफर के साथ-साथ असिस्टेंट कोरियोग्राफर की टीम काम करती है, लेकिन काफी कम बार कैमरा के पीछे काम करने वाले इन बेहतरीन डांसर्स को कैमरे के सामने आने का मौका मिलता है. बिहाइंड द कैमरा काम करने वाले सितारों में से एक हैं कोरियोग्राफर आशुतोष पवार. कई सालों से सेलिब्रिटीज के डांसिंग एक्ट डिजाइन करने वाले आशुतोष को मनीषा रानी का डांसिंग पार्टनर बनकर 'झलक दिखला जा' में शामिल होने का मौका मिला.13 साल के लंबे इंतजार के बाद मिले इस मौके का आशुतोष ने पूरा फायदा उठाया और अपनी डांसिंग पार्टनर मनीषा रानी को उन्होंने 'झलक दिखला जा' की विनर बना दिया. आपको बता दें, आशुतोष 'झलक दिखला जा' सीजन 11 की शुरुआत से इस शो से जुड़े हुए थे. वो विवेक दहिया की टीम में बतौर असिस्टेंट कोरियोग्राफर काम कर रहे थे. जब विवेक शो से बाहर हुए और शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वालीं थी. तब मेकर्स ने आशुतोष को वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट का डांसिंग पार्टनर बनने का मौका दिया.

सालों बाद मिला कैमरा के सामने आने का मौका

टीवी 9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत में आशुतोष ने झलक के बारे में बात करते हुए बताया कि 13 साल से मैं इस फील्ड में कैमरा के पीछे काम कर रहा हूं. मुझे इस बात की बिल्कुल उम्मीद ही नहीं थी कि मुझे कैमरा के सामने आने का मौका दिया जाएगा. मैं नर्वस भी था. फिर दोस्तों के साथ सलाह-मशविरा किया और उन्होंने मेरी हौसला अफजाई करते हुए मुझे ये सलाह दी कि मुझे ये शो करना चाहिए, क्योंकि आखिरकार वो समय आ गया है, जिसका मुझे इंतजार था.

आगे आशुतोष बोले, जब मुझे पता चला कि मनीषा रानी मेरी डांसिंग पार्टनर हैं और उन्हें मुझे कोरियोग्राफ करना होगा. तब मैं बहुत डर गया था, क्योंकि वो एक अच्छी डांसर भी थीं और बहुत ज्यादा पॉपुलर सेलिब्रिटी भी. सब को लगता है कि एक अच्छे डांसर को डांस रियलिटी शो में कोरियोग्राफ करना आसान होता है, लेकिन ये सच नहीं है.

प्रेग्नेंट

दीपिका पादुकोण

के बेबी बंप संग फोटो सही से न क्लिप करने पर Ranveer से चिढ़े Orry

ओरी के नाम से मशहूर ओरहान अवात्रामणि को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। बड़े-बड़े बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की पार्टीज में अक्सर अपनी तस्वीरों से ओरी लाइमलाइट चुरा लेते हैं। इन दिनों वह अंबानी खानदान के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट (Radhika Merchant) के प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होने के लिए जामनगर में हैं।2 मार्च की रात को राधिका और अनंत के प्री-वेडिंग का दूसरा दिन था और इस दिन शानदार परफॉर्मेंस के साथ जश्न मनाया गया। ओरी भी पार्टी में शामिल हुए और उनका एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। क्लिप में वह दीपिका पादुकोणके साथ फोटो क्लिक करवाने के लिए मशक्कत करते दिखाई दिए।

फोटो के लिए रणवीर से चिढ़े ओरी

दरअसल, ओरी को प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण के साथ फोटो चाहिए थी। पहले कोई और शख्स उनकी साथ में फोटो क्लिक करता है। बाद में फोटोग्राफी की कमान रणवीर सिंह ने संभाली, लेकिन वह भी ओरी के मन मुताबिक फोटो नहीं खींच पा रहे थे। इस बात से ओरी थोड़ा झल्ला गए। फिर दीपिका ने उन्हें समझाया और रणवीर भी फोटो लेने के लिए टिके रहे।

क्लिप में देखा जा सकता है कि ओरी प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण के बेबी बंप पर हाथ रखकर फोटो क्लिक करवा रहे हैं। वह बार-बार रणवीर को समझा रहे हैं कि कैसे फोटो लेनी है। इस बीच वह मन के हिसाब से तस्वीर न लेने पर वह रणवीर से चिढ़चिढ़े होकर बात भी करते नजर आए। सोशल मीडिया पर ओरी का ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। कुछ लोग इस बात के लिए उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही रणवीर और दीपिका ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। दीपिका सितंबर में पहले बच्चे को जन्म देंगी। शादी के 6 साल बाद दोनों माता-पिता बनने जा रहे हैं। कपल ने 2018 में इटली में शादी रचाई थी।

ज्ञान गंगा –आचार्य सुदर्शन

खुद के दोस्त बनें हम

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश है। यही वजह है कि यहां युगों से धर्म की धारा बहती रही है। यहां के धर्मप्राण लोग इसमें डुबकी लगाकर अपना इहलोक और परलोक सुधारते हैं। यदि ध्यान से देखें तो प्राचीनकाल से लेकर अब तक यहां के धर्मप्राण लोगों ने संपूर्ण जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से ही समझने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए आप किसी शहरी श्रमिक को श्रम करते हुए देखें या गांव में हल चलाते किसी हलवाहे को और आप उनसे बात करें तो वह भी बस यही कहते हुए मिलेंगे कि इस जीवन का क्या ठिकाना ? आज है, कल नहीं, फिर काहे की चिंता आदि। इस प्रकार यदि देखें तो यहां के लोगों में आध्यात्मिक दृष्टि इस कदर समा चुकी है कि वे बचपन से लेकर जवानी तक और जवानी से लेकर वृद्धावस्था तक केवल और केवल अध्यात्म की बातें करते रहते हैं। ऐसा करके वे अपना इहलोक और परलोक, दोनों सुधार लेना चाहते हैं।

एक गांव की बात है। एक संत वहां के मंदिर में बैठकर पूजा–अर्चना कर रहे थे। वे साधना में ऐसे लीन हो गए कि शाम हो गई और अंधेरा छाने लगा। तभी एक छोटा बच्चा उस मंदिर में आया। उसने जेब से माचिस निकालकर मंदिर में रखे दीपक को जला दिया। मंदिर में प्रकाश देखकर संत ने बच्चे से पूछा, बेटा! यह बताओ कि यहां प्रकाश कहां से आ गया ? बच्चे को कोई उत्तर नहीं सूझा, इसलिए उसने फूंक मारकर दीपक बुझा दिया और संत से कहा, हे महात्मन! वह प्रकाश जहां से आया था, वहीं चला गया। संत हतप्रभ रह गए और उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि यह छोटा बच्चा भी मानता है कि सृष्टि में उस परमात्मा की ही शक्ति है जिसने इसकी रचना की है। उस दीपक के प्रकाश की तरह आप सब भी वहीं वापस चले जाएंगे, जहां से आए हैं। प्रभु का स्मरण करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

खबरें जरा हटके

जमीन पर बिछे मिले एक अरब के नोट, नहीं कर सकते खर्च

नई दिल्ली। सड़क पर अगर एक भी नोट गिरा हुआ मिलता है तो हम उसे उठाने में जरा सी भी देर नहीं करते, सोचिए अगर आपको सड़क पर अरबों रुपए बिछे हुए मिल जाएं तो। शायद आप ये ही नहीं साचे पाएंगे कि इतने सारे रुपयों को अपने साथ कैसे लेकर जाएं। हाल ही रूस के सेंट पीटर्सबर्ड में एक समूह को एक दलदली उजाड़ जगह पर एक अरब रूबल के नोट मिले।
वर्तमान एक्सचेंज रेट के अनुसार इन नोटों की भारतीय मुद्रा में कीमत 113 करोड़ रुपए बनती है, लेकिन खोजने वालों को इन नोटों को खर्च करने की अनुमति नहीं है। पूर्व सोवियत संघ के दौर के ये नोट अब ये चलन से बाहर हो चुके हैं। यह जगह राजधानी मॉस्को से 160 किलोमीटर दूर, व्लादिमीर क्षेत्र में है। यह एक पुरानी खदान है, जहां सोवियत संघ के दौर में मिसाइलें रखी जाती थीं। ग्रुप ने अफवाह सुनी थी कि उस इलाके में काफी पैसा दबा है, इसलिए वह वहां खोजबीन के लिए गया था।
यह जानकारी सामने आते ही देशभर के मीडिया में चर्चाएं होने लगीं। पुरातत्व विभाग के अफसरों ने जांच करने के बाद बताया कि वे नोट सोवियत संघ के दौर के हैं। उन्हें वर्ष 1961 से 1991 के बीच जारी किया गया था। हालांकि, अब उन नोटों की कोई कीमत नहीं है। ये लगभग एक अरब रूबल के नोट हैं। कुछ विशेषज्ञों ने बताया कि ये नोट जिस जगह पर मिले हैं, वहां कभी मिसाइलें रखी जाती थीं। हालांकि, अब उस जगह की पहचान खदान के तौर पर है। एक अनुमान यह भी है कि कुछ वर्ष पहले वहां बाढ़ आई थी, उसी में ये नोट बहकर खदान तक पहुंच गए होंगे।
स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस खदान के पास नोट मिले हैं, वहां आसपास कोई रहने की हिम्मत नहीं करता। उस जगह पर कभी सोवियत संघ का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम चलता था। उसके कारण पूरा क्षेत्र रेडिएशन से प्रभावित है। एक अफसर ने बताया कि सोवियत दौर में 100 रुबल वाला वेतन भी बहुत अच्छा समझा जाता था। तब इतने नोट किसके पास रहे और उन्हें इस तरह क्यों छोड़ दिया गया, यह कोई नहीं जानता।

इस चर्च में रोबोट देता है आशीर्वाद, पढ़ता है बाइबल

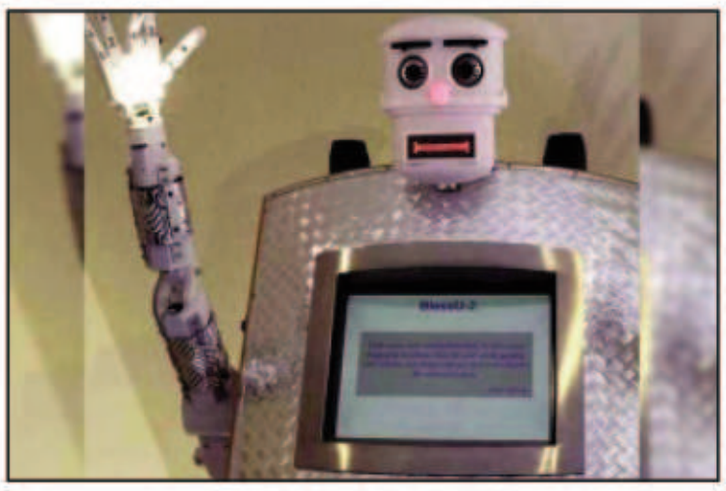

नई दिल्ली। आप चर्च गए हों तो देखा होगा कि वहां प्रेयर्स से लेकर बाइबल पढने और आशीर्वाद देने का काम पादरी करते हैं। जिस तरह मंदिर में पंडित जी का खास स्थान होता है, उसी तरह चर्च में पादरी को दखा जाता है। हालांकि आप जर्मनी के एक चर्च के बारे में सुनकर हैरान रह जाएंगे। इस चर्च में पादरी नहीं है, बल्कि उनकी जगह एक रोबोट है। ब्लेस यू-2 नाम का यह रोबोट बाकायदा हाथों से आशीर्वाद देता है और उसके हाथों से रोशनी भी निकतल है।
इस रोबोट को विटेनबर्ग में लॉन्च किया गया है। जर्मन पादरी मार्टिन लूथर की द नाइंटी फाइव थीसिस के प्रकाशन के 500 साल पूरे होने के मौके पर इस रोबोट को लॉन्च किया गया। चर्च के मुताबिक लोगों को आशीर्वाद देने से पहले रोबोट उनसे पूछता है कि वे पुरुष की आवाज में आशीर्वाद चाहते हैं या महिला की आवाज में। वह इसके बाद यह भी पूछता है कि उन्हें किस तरह का आशीर्वाद चाहिए।

जिस तरह से व्यक्ति इच्छा जताता है, उस तरह से ये रोबोट मुस्कुराते हुए बांहें फैला देता है और आशीर्वाद देता है। यह बाइबिल की पंक्तियां भी पढ़ता है –ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें।

सेहत

इन घरेलू उपायों को बनाएं शरीर का सुरक्षा कवच

डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, लू लगना और मसूड़ों की तकलीफ ऐसी समस्याएं हैं जो आए दिन हर किसी को परेशान करती हैं। घरेलू उपायों के सुरक्षा कवच से इन रोगों से आसानी से लड़ा जा सकता है। तेज धूप की वजह से सिरदर्द हो तो लौकी का गूदा निकालकर पीस लें और माथे पर लेप करें, तुरंत आराम मिलेगा।
एक चम्मच सौंफ रात को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इसी पानी में सौंफ को मसलने के बाद छानकर थोड़ी चीनी मिलाकर पिएं, शरीर को ठंडक मिलेगी। 25 ग्राम गुलाब के फूल, मिश्री, सौंफ और वंशलोचन (तीनों 10 ग्राम) को पीसकर पाउडर बना लें। सुबह और शाम पानी के साथ आधा चम्मच पाउडर लेने से फोड़े, फुंसी, दाद और खुजली में लाभ होगा।
गुलकंद को एक चम्मच की मात्रा में रात को गुनगुने पानी या दूध के साथ खाने से कब्ज, गर्मी, मुंह के छाले और रक्तसंचार दुरुस्त होता है। दो टमाटर को काली मिर्च के साथ पीस लें। भोजन करने से पहले इसे खाने से पेट में कीड़ों की समस्या दूर होती है। नमक व सरसों का तेल मिलाकर मंजन करने से मसूड़े मजबूत होते हैं।
लू लगने पर प्याज को सलाद के रूप में और कैरी (कच्चा आम) को सब्जी या पना बनाकर प्रयोग करें। बिच्छू या मधुमक्खी के काटने पर प्याज का रस व नौसादर मिलाकर लगाने से जहर दूर होता है और दर्द में आराम मिलता है। दाद, खाज जैसे त्वचा रोगों में कच्चे पपीते का दूध लाभकारी होता है। हरड़ और पीपल के चूर्ण को बराबर मात्रा में तुलसी के रस के साथ पीने से खांसी में आराम मिलता है। सिरदर्द में लौंग पीसकर माथे पर लेप करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

सर्किट- भाई, बापू ने बोला था कि कभी झूठ नही बोलना मंगता है, अपून आज से कभी झूठ नही बोलुंगा भाई।
मुन्ना भाई- ? सर्किट, वो सुनिता का बाप आया है तेरे को ढूंढ रहा है
सर्किट- भाई उसको बोलो अपून गांव गया है, खेती करने को।
मुन्ना भाई- पर सर्किट अभी तो तू बोल रहा था कि कभी झूठ नही बोलेगा
सर्किट- भाई, अपून झूठ नही बोलेगा, पर तुम तो बोल सकता है, ना भाई।

अजीत- माइकल इसके एक हाथ में लाल और दूसरे हाथ में हरा रंग लगा दो।
माइकल- लेकिन क्यो बॉस ?
अजीत- बेवकूफ, इतना भी नही जानते, जब पुलिस आएंगी तो उसे रंगे हाथो पकड लेगी।

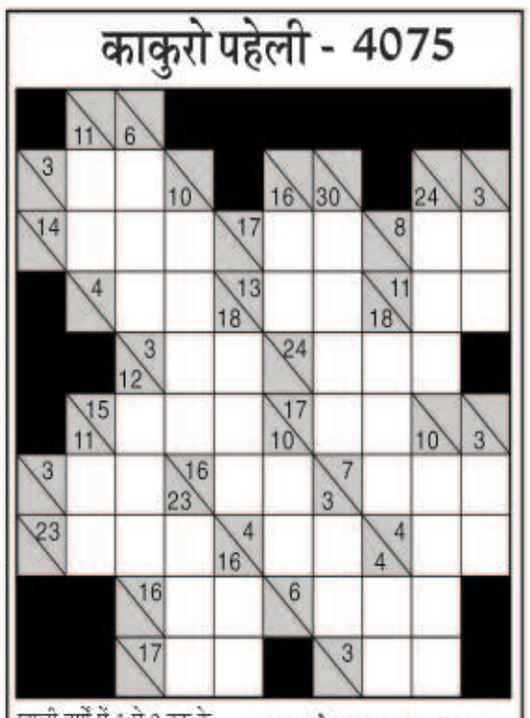

एक चोर को चोरी के जुर्म में जीप में बैठाकर जेल ले जाया जा रहा था। वह बहुत खुश था।
सिपाही ने चोर से पूछा- तुम इतने खुश क्यों हो ?
चोर ने कहा- आज मैं पहली बार जीप में बैठा हूं।

काकुरो पहेली - 4075

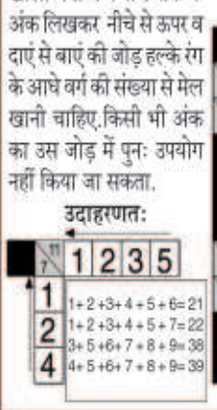

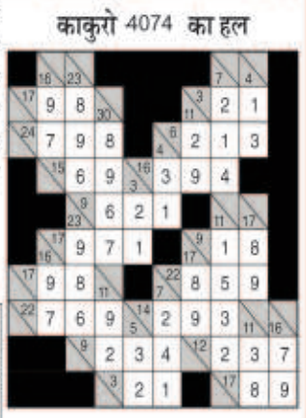

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो 4074 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

बायें से दायें:-
१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लव पर है' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरुख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वां' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-
१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले में चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फराहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द, फराहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

सूडोकु -4075

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4074 हल

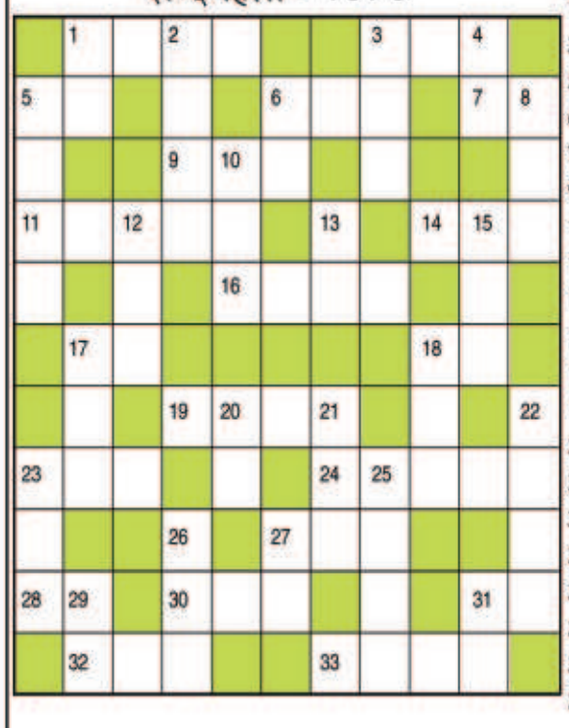

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 4075

बाएँ से दाएँ
1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4074 का हल

इंडियन क्रिकेटर उमा छेत्री चौथे लिबटी कप विमेंस T-20 टूर्नामेंट के लिए डिब्रूगढ़ पहुंचीं

डिब्रूगढ़: (अर्णव शर्मा) ५ जून : डिब्रूगढ़ में क्रिकेट के शौकीनों में बहुत उत्साह है क्योंकि इंडियन महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर उमा छेत्री चौथे लिबटी कप विमेंस ढ-२० प्राइज़ मनी क्रिकेट टूर्नामेंट २०२६ में हिस्सा लेने से पहले शहर पहुंचीं। बोकाखाट की रहने वाली और इंडियन महिला क्रिकेट टीम की मेंबर उमा छेत्री गुरुवार शाम को सर्बानंद सोनोवाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हो रहे इस मशहूर टूर्नामेंट में अपनी टीम के साथ शामिल होने के लिए डिब्रूगढ़ पहुंचीं।

उनके आने से पूरे इलाके के क्रिकेट फैंस, स्पोर्ट्स लवर्स और उभरते हुए युवा प्लेयर्स में काफी उत्साह है। असम की लीडिंग महिला क्रिकेटरों में से एक मानी जाने वाली छेत्री के आने से टूर्नामेंट की इज्जत बढ़ने और इस खेल को आगे बढ़ाने वाली युवा महिला एथलीटों के लिए इंस्पिरेशन बनने की उम्मीद है।उमा छेत्री शुक्रवार को सुबह ९:०० बजे धेमाजी के खिलाफ शुरुआती मैच में बोकाखाट को रिप्रेजेंट करेंगी। मैच में बडी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है, और दर्शक भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को एक्शन में देखने के लिए उत्सुक होंगे।4th लिबटी कप विमेंस ढ-२० प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट ने असम के अलग-अलग जिलों की टैलेंटेड महिला क्रिकेटरों को एक साथ लाया है, जिससे उन्हें अपनी काबिलियत दिखाने और कॉम्पिटिटिव एक्सपोजर पाने का एक प्लेटफॉर्म मिला है।EMPOWER NGO और क्व स्पोर्ट्स क्लब द्वारा डिब्रूगढ़.डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के साथ मिलकर आयोजित इस टूर्नामेंट का मकसद महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना और पूरे राज्य में इस खेल में ज़्यादा से ज़्यादा भागीदारी को बढ़ावा देना है।

भारत के किस मुख्यमंत्री के पास है सबसे अधिक संपत्ति? टॉप-५ में पहला नाम डी.के. शिवकुमार का

नई दिल्ली. (एजें) ५ जून : देश में हाल ही में हुए सियासी उलटफेर और नए मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद, घोषित संपत्तियों के आधार पर भारत के शीर्ष पांच सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की नई सूची सामने आई है। इस सूची में देश के अलग-अलग राज्यों के कद्दावर नेताओं के नाम शामिल हैं।

नंबर १: डी.के. शिवकुमार (कर्नाटक)

इस सूची में कर्नाटक के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डी.के. शिवकुमार १,४१३ करोड़.रुपये की विशाल घोषित संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री बनकर उभरे हैं।

नंबर २: एन. चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश)

उनके बाद दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (TDP) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू हैं, जिनकी कुल संपत्ति ९३१ करोड़. रुपये आंकी गई है।

नंबर ३: सी. जोसेफ विजय (तमिलनाडु)

तमिलनाडु की राजनीति में कदम रखने वाले तमिलगा वेट्टी कझगम (TVK) के नेता सी. जोसेफ विजय ६४८ करोड़. रुपये की संपत्ति के साथ देश के तीसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री बन गए हैं।

नंबर ४: पेमा खांडू (अरुणाचल प्रदेश)

इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेता पेमा खांडू ३३२ करोड़. रुपये की घोषित संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर काबिज हैं।

नंबर ५: नेफियू रियो (नागालैंड)

वहीं, नागालैंड के मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (NDPP) के नेता नेफियू रियो ४६ करोड़.रुपये की संपत्ति के साथ इस सूची में पांचवें पायदान पर हैं।

उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत का दबदबा

राजनीतिक और क्षेत्रीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो देश के शीर्ष तीन सबसे अमीर मुख्यमंत्री दक्षिण भारत से आते हैं, जबकि आखिरी दो पायदानों पर उत्तर-पूर्वी राज्यों का दबदबा है।

फ्रांसीसी महिला से पाकिस्तानियों ने बच्चों के सामने किया था गैंगरेप, अब होगी फांसी, एलन मस्क बोले- शाबास पाकिस्तान

इस्लामाबाद: (एजें) ५ जून : पाकिस्तान की एक उच्च अदालत ने फ्रांसीसी महिला पर्यटक के साथ गैंगरेप के दो दोषियों की मौत की सजा को बरकरार रखा है। दोनों ने लाहौर के पास एक रोड पर फ्रांसीसी पर्यटक के साथ उसके तीन बच्चों के सामने गैंगरेप किया था। यह हिला देने वाली घटना तब हुई थी, जब महिला पर्यटक कार का ईंधन खत्म होने के बाद सडक़ पर मदद का इंतजार कर रही थी। अमेरिकी अरबपति बिजनेस मैन एलन मस्क ने इस फैसले के लिए पाकिस्तान की तारीफ की है।पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आबिद अली और शफकत अली ने साल २०२१ के आतंकवाद-रोधी अदालत के फैसले को लाहौर हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुडे.अपराधों का दोषी ठहराया गया था। लाहौर हाई कोर्ट ने बुधवार को दोनों की तरफ से दायर अपील खारिज कर दी। इसका मतलब है कि ट्रायल कोर्ट से दोनों को दी गई मौत की सजा बरकरार रहेगी।

फ्रांसीसी महिला के साथ क्या हुआ था?९ सितम्बर २०२० को पाकिस्तानी मूल की एक फ्रांसीसी महिला अपने तीन बच्चों के साथ सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर देर रात जा रही थी, उसी दौरान उसकी गाडी का ईंधन खत्म हो गया। इसके चलते रात में परिवार सुनसान सडक़ पर फंस गया। महिला गाडी के दरवाजे बंद करके मदद का इंतजार कर रही थी, तभी आबिद और शफकत वहां पहुंचे।हमलावरों ने गाडी की खिडक़ी तोड.दी और महिला को खींचकर बाहर निकाल लिया। दोनों ने उसके बच्चों के सामने ही बंदूक की नोक पर बलात्कार किया। भागने से पहले दोनों ने महिला से नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिया। यह मामला पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी का विषय बन गया। देश के अंदर भी इसे लेकर भारी विरोध हुआ। फोन डेटा और DNA से खुला राज -जांच अधिकारियों को मामले की तह तक पहुंचने में कुछ ही दिन लगे थे। अधिकारियों ने संदिग्धों की पहचान के लिए मोबाइल फोन डेटा की जांच की और बाद में अपराध स्थल से मिले उछअ सबूतों के आधार पर दोनों को इस हमले से जोडा। पीडति महिला ने बाद में दोनों पुरुषों की पहचान की। वहीं, शफकत अली ने मजिस्ट्रेट के सामने अपना गुनाह भी कबूल किया। मार्च २०२१ में आतंकवाद-रोधी अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। इसके अलावा आजीवन कारावास और जेल की अतिरिक्त सजा भी सुनाई।

विश्व रक्तदाता दिवस पर १४ जून को शिलचर में मेगा रक्तदान शिविर

प्रे.स. शिलचर, ५ जून। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर १४ जून २०२६ को सिलचर के जैन भवन में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर मारवाडी सम्मेलन, सिलचर के तत्वावधान में मारवाडी सम्मेलन महिला शाखा, रोटरी क्लब ऑफ ग्रीनलैंड, मारवाडी युवा मंच, मारवाडी युवा मंच टाइटन्स तथा मारवाडी युवा मंच समृद्धि शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।आयोजकों ने बताया कि इस पुनीत अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढावा देना तथा कछार कैंसर अस्पताल, सिलचर सहित अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में सहयोग मिल सके।मारवाडी सम्मेलन, सिलचर के मंत्री प्रकाश चंद सुराना तथा मेगा रक्तदान शिविर-२०२६ के संयोजक निशांत जैन ने समाज के सभी वर्गों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं से इस मानवीय पहल में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को इस नेक कार्य में आगे आना चाहिए।आयोजकों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्रों तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और अधिकाधिक लोगों को इस अभियान से जोडने का भी आग्रह किया है। उनका विश्वास है कि जनसहयोग और जागरूकता के माध्यम से यह शिविर सफल होगा तथा अनेक जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिल सकेगा।

फाटक बाजार क्षेत्र में हेरोइन सहित कथित मादक तस्कर गिरफ्तार, ३५ शीशियां बरामद

प्रे.सं. शिलचर, ५ जून। कछार जिले के शिलचर शहर स्थित फाटक बाजार क्षेत्र के समीप पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से हेरोइन से भरी ३५ शीशियां (वायल) बरामद की गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद ३५ वायल में लगभग १.७ ग्राम संदिग्ध हेरोइन मौजूद थी। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में पुलिस ने आरोपी को मौके से हिरासत में लेकर मादक पदार्थ को विधिवत जब्त कर लिया।गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति या तस्करी गिरोह भी शामिल है या नहीं। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अवैध कार्यों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित संदेश: कछार जिले में वृक्षारोपण और जनजागरण कार्यक्रमों की धूम।

चंद्रशेखर ग्वाला शिलचर, ५ जून: विश्व पर्यावरण दिवस शुक्रवार को कछार जिले भर में पूरे उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। जिले की विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा शैक्षणिक संस्थानों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।इस अवसर पर बराक वैली न्यूज़पेपर ओनर्स एसोसिएशन, यूथ्स अगेंस्ट सोशल इविल्स (यासी), शिलचर संजीवनी फाउंडेशन सहित अनेक संगठनों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया।आयोजक समितियों ने बताया कि यह पहल केवल एक दिन के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगी। आज से ही वर्षभर चलने वाले विभिन्न पर्यावरण-सचेतनात्मक अभियानों की शुरुआत की गई है। आगामी महीनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान तथा नागरिक जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित किए जाएंगे। लखीपुर, उधारबंद, सोनाई, बरखोला और धोलाई सहित जिले के लगभग सभी क्षेत्रों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों ने स्वेच्छा से पौधारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के महत्व पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रमों के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न संस्थाओं और संगठनों को कई मूल्यवान एवं दुर्लभ प्रजातियों के पौधे प्रदान किए। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि इन पौधों के संरक्षण और संवर्धन से भविष्य में बराक घाटी की हरित संपदा और अधिक समृद्ध होगी।वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। यदि सभी लोग मिलकर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डिब्रूगढ़.में नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ पर बड़ा आउटरीच प्रोग्राम किया

डिब्रूगढ (अर्णव शर्मा) ५ जून :. देश भर में चल रहे अवेयरनेस कैंपेन "PRARAMBH 2026" के तहत, प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स, नॉर्थ ईस्टर्न रीजन **(NER)** के ऑफिस ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़.में एक बड़ा आउटरीच प्रोग्राम किया। इसका मकसद टैक्सपेयर्स और स्टेकहोल्डर्स को नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ के नियमों के बारे में बताना था, जो १ अप्रैल, २०२६ से लागू हुआ था।इस इवेंट में सीनियर इनकम टैक्स अधिकारियों, अलग-अलग सेक्टर्स के रिप्रेजेंटेटिव्स, बिजनेस कम्युनिटी के मेंबर्स, प्रोफेशनल्स, मीडिया वालों और दूसरे स्टेकहोल्डर्स ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम का मकसद नए कानून के बारे में लोगों की समझ बढ़ाना और बेहतर टैक्स सिस्टम में आसानी से बदलाव लाना था।सेशन की शुरुआत के. मेघनाथ चौहान, खठड, प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स (असेसमेंट यूनिट-१), डिब्रूगढ़.के वेलकम एड्रेस से हुई। इसके बाद देवा कुमार सोनोवाल, खठड, प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ.इनकम टैक्स, और अमिताभ भट्टाचार्य, खठड, कमिश्नर ऑफ.इनकम टैक्स (अपील्स), डिब्रूगढ़.ने मुख्य भाषण दिए।स्पीकर्स ने नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए टैक्सपेयर अवेयरनेस और एक्टिव स्टेकहोल्डर पार्टिसिपेशन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस साल २० मार्च को केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया झठअठअचइक २०२६, विकसित भारत के विजन के अनुसार नए टैक्स फ्रेमवर्क के बारे में लोगों में अवेयरनेस बढ़ाने और उनकी समझ को मजबूत करने की कोशिश करता है।लोगों को संबोधित करते हुए, अधिकारियों ने नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ को एक लैंडमार्क रिफॉर्म बताया, जिसे टैक्स कानूनों को आसान बनाने, ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने और कम्प्लायंस को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने आउटरीच पहल के मुख्य उद्देश्यों को बताया, जिसमें नए प्रोविजन के बारे में बड़े.पैमाने पर अवेयरनेस फैलाना, टैक्सपेयर्स को बदलावों के पीछे का कारण समझने में मदद करना और ज़्यादा ट्रांसपेरेंसी और एंगेजमेंट के जरिए वॉलंटरी कम्प्लायंस को बढ़ावा देना शामिल है। डिपार्टमेंट ने ट्रांजिशन पीरियड के दौरान टैक्सपेयर्स को सपोर्ट करने के लिए शुरू की गई कई पहलों को भी दिखाया। इनमें आसान और रीजनल भाषाओं में तैयार किया गया एजुकेशनल मटीरियल, कर साथी नाम का एक अख-पावर्ड टैक्सपेयर असिस्टेंस प्लेटफॉर्म, एक मल्टी-चैनल कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजी, और एक स्ट्रक्चर्ड स्टेकहोल्डर फीडबैक मैकेनिज्म शामिल हैं।टेक्निकल सेशन के दौरान, दीपजॉय दास, खठड, डिप्टी कमिश्नर ऑफ.इनकम टैक्स, ने इनकम टैक्स एक्ट, १९६१ से नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ तक भारत के टैक्स कानून के विकास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे नए कानून को आसान स्ट्रक्चर, कम मुश्किल और ज़्यादा क्लैरिटी के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे उम्मीद है कि झगडे.कम होंगे और अपनी मर्जी से टैक्स कम्प्लायंस को बढ़ावा मिलेगा।इनकम टैक्स रूल्स और फॉर्म्स, २०२६ पर एक डिटेल्ड प्रेजेंटेशन रजनीश कुमार, इनकम टैक्स ऑफिसर (ITO) ने दी, जिन्होंने डिपार्टमेंट द्वारा डेवलप किए गए अलग-अलग टैक्सपेयर एजुकेशन रिसोर्स भी दिखाए। इनमें १२ आसानी से समझ में आने वाले ब्रोशर, गाइडेंस नोट्स, अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQs), संवाद वीडियो सेशन, कार सेतु और कार साथी शामिल हैं। पार्टिसिपेंट्स को बताया गया कि ये रिसोर्स इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ऑफिशियल पोर्टल पर कई रीजनल भाषाओं में उपलब्ध हैं। डिजिटल कंटेंट से लिंक करने वाले ठ कोड वाली प्रिंटेड कॉपी भी बांटी गई। इवेंट का एक बड़ा आकर्षण कर साथी का डेमोंस्ट्रेशन था। यह एक अख-इनेबल्ड चैटबॉट है जिसे नए टैक्स कानून के प्रोविजन पर रियल-टाइम मदद और क्लैरिफिकेशन देने के लिए बनाया गया है। वेन्यू पर एक डेडिकेटेड कियोस्क लगाया गया था, जिससे पार्टिसिपेंट्स सीधे प्लेटफॉर्म से इंटरैक्ट कर सकें और इसके फीचर्स का एक्सपीरियंस कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि यह इनिशिएटिव टैक्सपेयर सर्विसेज.को ज़्यादा एक्सेसिबल, एफिशिएंट और यूजर-फ्रेंडली बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के डिपार्टमेंट के कमिटमेंट को दिखाता है। डिपार्टमेंट ने अपने आउटरीच एफर्ट्स को बेहतर बनाने में स्टेकहोल्डर फीडबैक के महत्व पर भी जोर दिया। पार्टिसिपेंट्स को एजुकेशनल मटीरियल के यूजफुलनेस, संवाद सेशन के इफेक्टिवनेस, कर साथी के यूजर एक्सपीरियंस और ओवरऑल आउटरीच प्रोग्राम पर सुझाव देने के लिए एनकरेज किया गया। दीपक जगन्नाथ, ITO (TDS), डिब्रूगढ़.ने नए एक्ट के तहत टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (TDS) प्रोविजन और रिलेटेड फॉर्म्स में अमेंडमेंट पर एक प्रेजेंटेशन दिया। प्रांजल चुटिया, ITO (I&CI), डिब्रूगढ़.ने इन्वेस्टिगेशन और क्रिमिनल इंटेलिजेंस (I&CI) से रिलेटेड प्रोविजन्स के बारे में डिटेल में बताया। प्रोग्राम का अंत डिब्रूगढ़. रेंज के जॉइंट कमिश्नर ऑफ.इनकम टैक्स (JCIT) मृत्युंजय घोष के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने इवेंट के सफल आयोजन में योगदान के लिए मौजूद लोगों, स्पीकर्स, पार्टिसिपेंट्स और ऑर्गनाइजर्स की तारीफ.की। यह आउटरीच प्रोग्राम नॉर्थ ईस्टर्न रीजन में एक ट्रांसपेरेंट, इनक्लूसिव और टैक्सपेयर-फ्रेंडली इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इसने अवेयरनेस बढ़ाने, कैपेसिटी बिल्डिंग और लगातार स्टेकहोल्डर्स के साथ जुड़ाव के जरिए नए इनकम टैक्स एक्ट, २०२५ में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करने के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के कमिटमेंट को फिर से कन्फर्म किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़.द्वारा ६०० से अधिक पौधों का वितरण

प्रे.सं. शिलचर, ५ जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, शिलचर केंद्र द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ६०० से अधिक पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाईयों ने नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। साथ ही सभी को ईश्वरीय संदेश एवं प्रसाद स्वरूप टोली भी वितरित की गई।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति को हरा-भरा एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से अपने जीवन में शांति, प्रेम, करुणा एवं अन्य सद्गुणों को धारण करने का भी संकल्प व्यक्त किया।ब्रह्माकुमारीज़.के प्रतिनिधियों ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि मनुष्य के विचारों की शुद्धता भी उतनी ही आवश्यक है। स्वच्छ और सकारात्मक विचारों से ही एक स्वस्थ समाज तथा संतुलित पर्यावरण का निर्माण संभव है।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ तथा लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दोहराया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी सम्मेलन सिलचर एवं महिला शाखा द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

प्रे.सं. शिलचर, ०५ जून २०२६: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाडी सम्मेलन, सिलचर एवं शाखा द्वारा आज सायं सिलचर गोशाला परिसर में एक प्रेरणादायक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण का संदेश देना था।कार्यक्रम में मारवाडी सम्मेलन के मंत्री प्रकाश सुराना,वरिष्ठ सदस्य श्री हनुमान जी जैन, श्री सुशील जी कांकरिया महिला शाखा के अध्यक्ष श्रीमती सुंदरी देवी पटवा,कोषाध्यक्ष नैना बेद, किरण देवी भूरा,निशा बोथरा, सुमन तापडिया,आशा लता भूरा,श्रीमती अग्रवाल प्रमुख सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा योगदान दिया जा सकता है।मारवाडी सम्मेलन, सिलचर महिला शाखा के अध्यक्ष एवं सम्मेलन के मंत्री ने सभी सहभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था समाजहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े.ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में भी निरंतर करते रहेगी।

कार्यक्रम का समापन 'एक पौधा - एक संकल्प, हरियाली से ही खुशहाली का विकल्प' के संदेश के साथ हुआ तथा सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

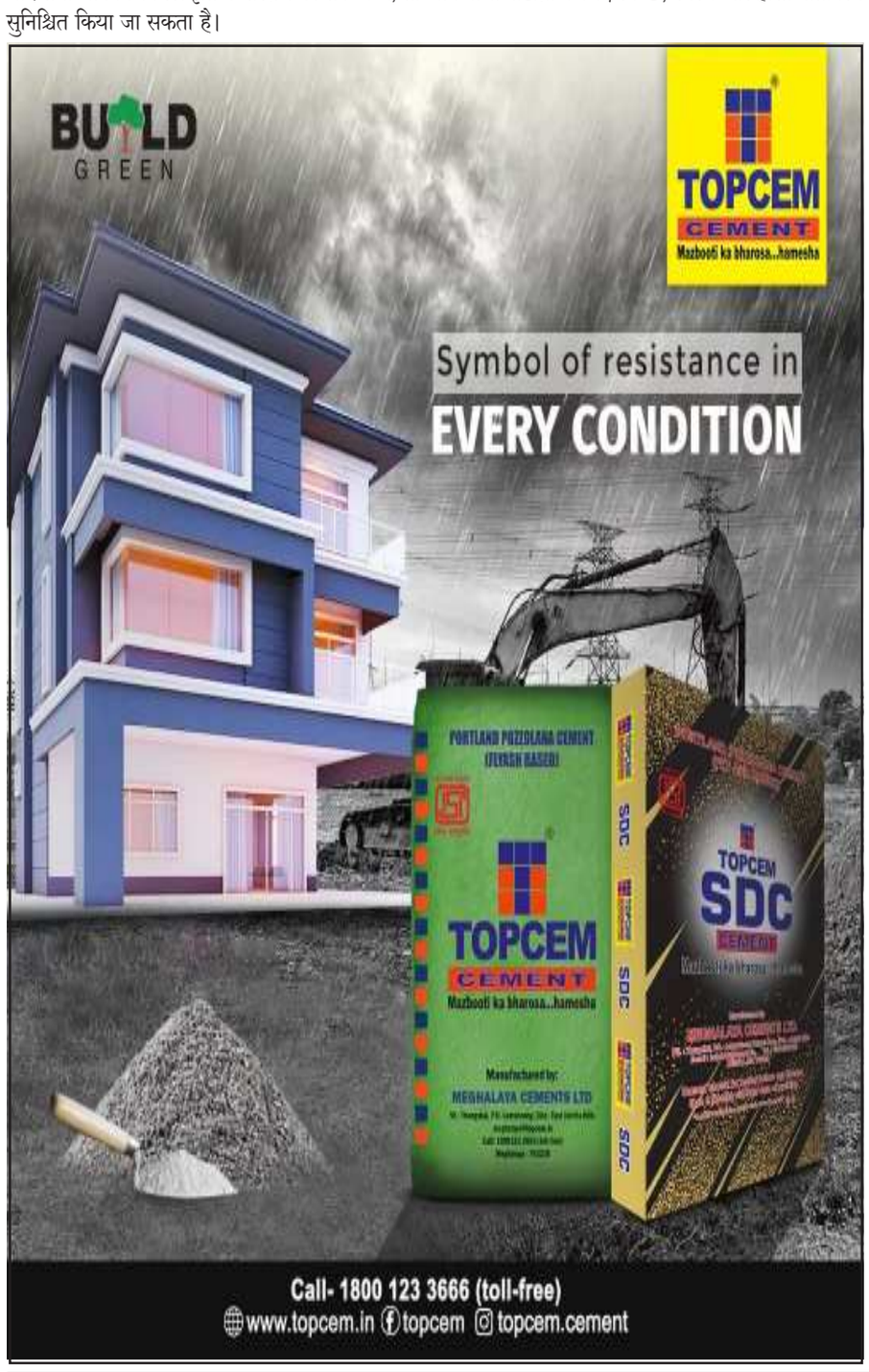

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512